www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
1 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 172 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

95 साल बाद जनगणना में पूछी जाएगी आपकी जाति

यूपी और पंजाब समेत 5 चुनावी राज्यों में फिलहाल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का घरों की गिनती का पहला फेज जून 2026 में पूरा हो चुका है। बड़ी बात ये कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति की गिनती हो रही है। 5 राज्यों मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बर्फबारी वाले क्षेत्रों- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और



हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं।

इन राज्यों में जनवरी-फरवरी में जनगणना नहीं

मणिपुर में जातीय हिंसा की वजह से हालात अभी सामान्य नहीं है। इसलिए मणिपुर की जनगणना अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, इसलिए स्टाफ चुनाव में लगेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के बर्फ वाले इलाके जैसे लाहौल-स्पीति, किन्नौर के ऊंचे इलाके। यहां बर्फबारी के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं। यहां सितंबर-अक्टूबर में हो सकती है। गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया। सेंसस एक्ट 1948 की धारा 3 के तहत आदेश जारी हुआ है।

आशुतोष दीक्षित ने संभाला 'वायु सेना प्रमुख' का कार्यभार

तीन प्रमुख सैन्य ऑपरेशनों में दिखा चुके हैं अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का स्थान लिया है, जो देश की 42 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। आशुतोष दीक्षित का पिछले 40 वर्षों में दमदार करियर रहा है। तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में दमदार भूमिका निभाने के साथ आशुतोष दीक्षित को अलग-अलग तरह के विमानों को उड़ाने का 3300 घंटे से अधिक का अनुभव है। वह वायु सेना के अधिकारियों के बीच समन्वय बनाने के लिए जाने जाते हैं।



तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में निभा चुके अपनी भूमिका

कारगिल युद्ध के दौरान वायुसेना के ऑपरेशन सफेद सागर में अहम भूमिका निभा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन रक्षक में अहम भूमिका निभा चुके हैं। पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

हरियाणा और आंध्र में दिल दहलाने वाली वारदात

पंचकूला में केजी की बच्ची के सिर पर 12 बार ईंट मारी

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला के एक प्रसिद्ध स्कूल में केजी की छात्रा पर तीसरी कक्षा के छात्र ने बेरहमी से हमला कर दिया। छात्र ने बच्ची का सिर पहले बेंच पर मारा, फिर 19 बार पैर से उसके चेहरे पर लात-घूसों से वार किया। उसके बाल पकड़कर घसीटा। बाद में ईंट से 12 बार बच्ची के सिर पर हमला किया। 96 सेकेंड तक लगातार बच्ची को बेरहमी से पीटे जाने की घटना क्लास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज देखकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भी कहा इसे पूरा देखना भी मुश्किल है। उन्होंने मामले की जांच के लिए कमेटी



गठित करने को कहा है। घटना की जानकारी उस वक्त सामने आई जब ऑटो ड्राइवर बच्ची को लेने स्कूल पहुंचा, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद परिजन तुरंत स्कूल पहुंचे और उसकी तलाश शुरू की।

आंध्र में 10वीं की छात्राओं पर काटने वाली आरी से हमला

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चेनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई। एक छात्रा की हालत सीरियस है।

संक्षिप्त समाचार

पटना स्नातक चुनाव में दिखा निशांत कुमार का दम!

जेडीयू में उभरा नया नेतृत्व, पार्टी के लिए साबित हुए 'ट्रम्प कार्ड'

पटना (एजेंसी)। बिहार में आठ सीटों के लिए संपन्न एमएलसी चुनाव के परिणाम चाहे जिसके पक्ष में आए हों, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के पुत्र और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार इस चुनाव के दौरान जिस लिटमस टेस्ट में शामिल हुए, उसमें उन्हें कमोबेश सफलता तो



मिल गई। खास कर पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को जिस तरह से जदयू के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना डाला वो एक चुनौती तो थी। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव पर जब जनता दल यू की गुटबाजी की छाया पड़ गई तो प्रथम दृष्टि में लगा कि ये सीट कहीं गुटबाजी की भेंट न चढ़ जाए। ठीक ऐसे समय में निशांत कुमार ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेवारी ली। पिता नीतिश कुमार का आशीर्वाद लिया और पहली चुनावी यात्रा नालंदा, नवादा से शुरू की थी। साथ में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को लेकर जन संपर्क स्थापित किया।

यूपी में भाजपा ने क्या किया, ये घर-घर पहुंचकर बताएंगे

विनोद तावड़े बोले-हैट्रिक जरूरी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हुआ रोडमैप

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले घर-घर पहुंचेगी। 2017 के बाद यूपी कैसे बदल गई। अपराध कैसे कम हुए, डेवलपमेंट कितना हुआ, ये लोगों को बताया जाएगा। इंस्टाग्राम पर भी भाजपा कार्यकर्ता क्षेत्र में हुए कामों के वीडियो बनाकर पोस्ट करेंगे। ये फैसला प्रदेश पदाधिकारियों के



साथ प्रांतीय कार्यालय में हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा- गृहमंत्री अमित शाह ने जो रास्ता दिखाया है, सभी कार्यकर्ताओं को उस दिशा में पूरी शिद्दत से काम करना है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने कहा- लखनऊ में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में देश के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को मिला। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अंगद का पांव बन चुकी है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले 'पंजाब' के चुनाव पर मंथन

दिल्ली में कांग्रेस की हाई-लेवल मीटिंग, दिग्गज नेता जुटे!



नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता के गलियारों में सियासी गर्मी बढ़ती जा रही है। जहां एक तरफ बीजेपी और कांग्रेस पंजाब में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साध रही है, वहीं सूबे के सीएम भगवंत मान जोरदार पलटवार करते नजर आ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे से पहले हाई लेवल मीटिंग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीटिंग की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब एक निर्णायक बदलाव और एक नई, परिवर्तनकारी शुरुआत के लिए तरस रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आम आदमी पार्टी ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है।

पंजाब की प्रगति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी कांग्रेस

उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस पार्टी पंजाब के मान-सम्मान और गौरव को बहाल करने, इसके भविष्य को सुरक्षित करने, और राज्य में शांति, समृद्धि व प्रगति का एक नया दौर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बैठक में कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत प्रदेश इकाई के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इजराइल के आम चुनाव की होगी जांच

खुफिया एजेंसी मोसाद को मिला जांच का जिम्मा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में



विदेशी दखल का है आरोप नतीजों पर असर नहीं

आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल में नेतन्याहू विरोधी दल सरकार बनाने का रास्ता निकालने के लिए प्रधानमंत्री का सीधा चुनाव कराने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत जनता अलग से प्रधानमंत्री चुनेगी और इससे अरब पार्टियों के समर्थन के बिना अल्पमत सरकार बनाने का रास्ता खुल सकता है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हिब्रू मीडिया ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कानून लाने पर विचार कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर में उमर के खिलाफ 24 विधायक लामबंद

4 दिन पहले बने चार मंत्रियों, सीएम के सलाहकार को हटाने की मांग



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। 18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

यूपी में बुलेट ट्रेन चलेगी 3.30 घंटे में दिल्ली पहुंचेगी

काशी में रेलमंत्री का ऐलान, पीएम ने दी कॉरिडोर को मंजूरी

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी में बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट भी जल्द शुरू होगा। दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल गई है। यह बात रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताई। रेलमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी ने इसके नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद पटना होते हुए गुवाहाटी तक



जाएगी। कॉरिडोर के बनने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का 1 घंटे 45 मिनट और लखनऊ का 2 घंटे 12 मिनट में पूरा होगा।

फर्स्ट एसी में शॉवर, विमान जैसी सुविधाओं का अनुभव

ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं दी गई हैं। यहां बर्थ और केबिन का इंटीरियर ज्यादा लग्जरी रखा गया है। फर्स्ट एसी के बाथरूम में शॉवर की सुविधा भी मिलेगी। सभी कोच में इंडियन और वेस्टर्न स्टाइल के बायो टॉयलेट लगाए गए हैं। यात्रियों को सफर के दौरान साफ-सफाई और आराम का बेहतर अनुभव देने की कोशिश की गई है। इस ट्रेन की सबसे खास व्यवस्था यह है कि इसमें पारंपरिक ट्रेनों की तरह एसी और वेटिंग टिकट की सुविधा नहीं होगी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्री ही सफर कर सकेंगे। इससे कोच में निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ नहीं होगी। यात्रियों को अपनी बर्थ पर आराम से सोने और सामान रखने की सुविधा मिलेगी।

काशी को दो नई मेमू ट्रेनों की भी सौगात

वंदे भारत स्लीपर के साथ वाराणसी क्षेत्र को दो नई रेल सेवाओं की भी सौगात मिलेगी। वाराणसी सिटी से राजातालाब के बीच चार जोड़ी मेमू ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों में 12 कोच होंगे। रास्ते में वाराणसी जंक्शन, बनारस, भुलनपुर और हरदतपुर स्टेशन पर ठहराव होगा। इससे दैनिक यात्रियों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा बनारस से प्रयागराज रामबाग के बीच मेमू सेवा को आगे बढ़ाने की योजना है। इससे दोनों धार्मिक और शैक्षिक शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। इन नई सेवाओं से काशी की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ स्थानीय यात्रियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध

विपक्षी नेता बोले-देश की जमीन भारत को नहीं देंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध हो रहा है। विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बांग्लादेश में भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर देने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जमीन भारत को नहीं दी जाएगी। ट्रांजिट कॉरिडोर का मतलब एक देश की जमीन और सड़क का इस्तेमाल



करके दूसरे देश के किसी हिस्से तक सामान पहुंचाना है। इससे दूरी और सामान पहुंचाने में लगने वाला समय कम हो सकता है। नाहिद ने गंगा जल समझौते को लेकर भी सरकार से सख्त रुख अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को नए सिरे से करते समय बांग्लादेश के हितों का ध्यान नहीं रखा गया, तो लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

नाहिद इस्लाम की रैली में भारत विरोधी नारे भी लगे

नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता नाहिद इस्लाम की अगुआई में तारिक रहमान सरकार के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और पेट्रोल-डीजल व गैस की कमी से नाराज थे। उन्होंने गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए।

मुख्यमंत्री ने श्रीनगर को दी करोड़ों की विकास कार्यों की सौगात

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के श्रीनगर आगमन पर शहर में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग उमड़े रहे। जगह-जगह लोगों ने उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। श्रीनगर दौरे पर मुख्यमंत्री ने नगरवासियों को लगभग 9.35 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देने के साथ करीब नौ साल बाद सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया। श्रीनगर पहुंचने पर मुख्यमंत्री का कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सतपाल महाराज, भरत चौधरी, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, महापौर आरती भंडारी, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर जूनियर दिल्ली स्कूल की प्रधानाचार्य बबिता गुसाईं के साथ आए 10 विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को डीक्राफ्ट भेंट किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना और उन्हें प्रोत्साहित किया। 'सशक्त बहना, सशक्त उत्तराखंड' कार्यक्रम



में मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 2,01,530 का चेक वितरित किया। साथ ही 51 पर्यावरण मित्र महिलाओं को हेल्थ एवं हाइजीन किट प्रदान की। श्रीनगरवासियों की लंबे समय से प्रतीक्षित मांग पूरी करते हुए नगर में करीब नौ साल बाद सिटी बस सेवा फिर शुरू हुई। महापौर आरती भंडारी की पहल पर जिलाधिकारी को दिए गए प्रस्ताव के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा अनटाइड फंड से उपलब्ध कराई गई लगभग 22.48 लाख की लागत वाली 30 सीटर बस को मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी पार्षदों से भरी सिटी बस का फ्लैग ऑफ किया। यह बस धारी देवी से कलियासौड़ होते हुए कीर्तिनगर पुल तक संचालित होगी। सर्दियों में बस का संचालन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक और गर्मियों में सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए शहर में विभिन्न स्थानों पर बस स्टॉप भी बनाए जाएंगे। बस का न्यूनतम किराया निर्धारित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, स्थानीय नागरिकों और बाजार आने-जाने वाले लोगों को किफायती आवागमन की सुविधा मिलेगी।

संपादकीय

देश को भरोसे में लेना चाहिए

क्या चीन से संबंध सुधारने की प्रक्रिया इस पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? सरकार को इस पर तुरंत देश को भरोसे में लेना चाहिए।भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निदेशक शत्रुजित कपूर के सनसनीखेज भाषण के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अरुणाचल प्रदेश में चीनी फौज के गश्ती के तय रास्ते से भटकने के कारण अक्सर भारतीय बलों के साथ उसका टकराव हो जाता है। उसके एक दिन पहले कपूर ने कहा था कि 'पिछले कुछ दिनों में ऐसे हालात बने, जब अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर दोनों देशों के सुरक्षा बलों का आमना–सामना हुआ और यह अभी भी जारी है।इ इस बयान ने यह साफ किया कि भारत और चीन के बीच हाल की सीमा वार्ताओं में बनी सहमतियां जमीनी स्तर पर टकराव टालने में कामयाब नहीं हुई हैं।इससे उचित ही चीन के साथ संबंध के बारे में भारत सरकार की नीति पर सवाल खड़े हुए। बहरहाल, उससे भी कहीं ज्यादा अहम कपूर की दूसरी टिप्पणी है, जिसमें उन्होंने कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है, क्योंकि उसने हथियार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। ऐसे में कपूर ने भारत को ड्रोन्स पर भरोसा करने की सलाह दी। इस बात का जिक्र करते हुए कि यूक्रेन ने ड्रोन्स के जरिए रूस जैसी महाशक्ति को चुनौती दी है, कपूर ने कहा– 'ड्रोन ऐसा माध्यम हैं, जिनके जरिए एक छोटा देश भी बड़े देश को चुनौती दे सकता है। हैरतअंगेज है कि जिस बल पर चीन से लगी भारतीय सीमा की रक्षा की जिम्मेदारी है, उसके प्रमुख अब चीन के बरक्स को भारत को छोटी ताकत बता रहे हैं! कपूर ने कहा कि आईटीबीपी 50 साल पुराना बल है, जिसके आधुनिकीकरण की जरूरत है। तो सवाल उठता है कि क्या गलवान घाटी जैसी घटना के बावजूद इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए? और क्या अभी चीन से संबंध सुधारने की जारी प्रक्रिया इसी पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? नरेंद्र मोदी सरकार को इस पर तुरंत सारे देश को भरोसे में लेना चाहिए। वरना, ऐसी टिप्पणियों का देशवासियों के मनोबल पर स्थायी और दूरगामी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

चिंतन-मनन

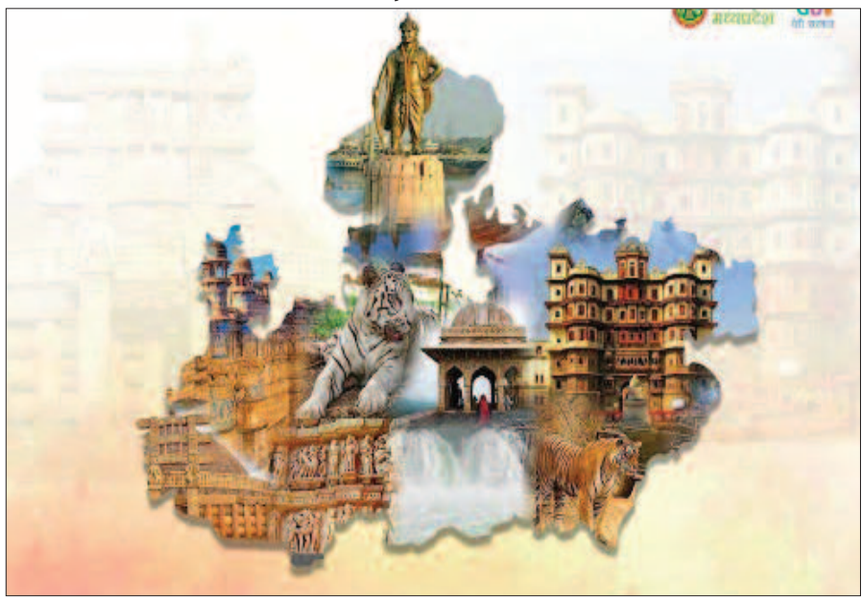
व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूरताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है।

मध्यप्रदेशः गौरव से आगे, जनकल्याण की कसौटी तक



हेमेन्द्र क्षीरसागर



एक नवंबर मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। वर्ष 1956 को इसी तिथि में राज्यों के पुनर्गठन के साथ मध्यप्रदेश अस्तित्व में आया। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ के पृथक होने के बाद इसका वर्तमान स्वरूप बना। स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों, स्मरण और शेष चुनौतियों के आकलन का समय भी है।

भारत के मध्यभाग में स्थित मध्यप्रदेश देश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। इसकी सीमाएँ उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान से मिलती हैं। केंद्रीय भौगोलिक स्थिति इसे सड़क, रेल, व्यापार और अंतरराज्यीय संपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। नर्मदा घाटी, विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियाँ तथा चंबल, मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल जैसे भौगोलिक-सांस्कृतिक क्षेत्र प्रदेश की विविधता को दर्शाते हैं।

देश के हृदय में मध्यप्रदेश अपनी ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता, वन संपदा और कृषि क्षमता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसे विश्वविख्यात धरोहर स्थल, उज्जैन की धार्मिक परंपरा। नर्मदा, क्षिप्रा, चंबल ताप्ती, सोन, वैनगंगा सहित प्रमुख नदियाँ इसकी पहचान को समृद्ध बनाती हैं। गोंड, बैगा, भील और अन्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति भी प्रदेश की अमूल्य विरासत है। इस धरोहर का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ पर्यटन का विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के लिए देश में विशिष्ट स्थान रखता है। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, माधव, वन विहार, संजय, कूनो और अन्य राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। चीता व जंगली भैंसा पुनर्स्थापना, बाघ संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास। पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से इनका विशेष महत्व है। ये उद्यान प्रकृति पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं।

कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। धान, गेहूँ, सोयाबीन, दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ किसानों को उचित मूल्य। भंडारण, प्रसंस्करण और बाजार की बेहतर सुविधाएँ देना आवश्यक है। उद्योग, पर्यटन, लघु उद्यम और सेवा क्षेत्र में निवेश बढ़ाकर रोजगार के स्थायी अवसर तैयार किए जा सकते हैं। इसके लिए युवाओं को रोजगारपरक कौशल और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

विकास की दूसरी बड़ी कसौटी शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षेत्रीय संतुलन है। महानगरों के साथ ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ उपचार, पेयजल, सड़क और संचार सुविधाएँ सुनिश्चित होनी चाहिए। बालाघाट जैसे जिलों में कृषि, वनोपज, खनिज और पर्यटन की संभावनाओं का उपयोग स्थानीय आजीविका तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

योजनाओं की सफलता घोषणाओं या बजट तक सीमित नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होती है। पारदर्शी प्रशासन, समयबद्ध सेवाएँ, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और नागरिकों की भागीदारी विकास को प्रभावी बनाते हैं। जल संरक्षण, वनों की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग भी आवश्यक है। ताकि आर्थिक प्रगति पर्यावरण की कीमत पर न हो।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें गौरव के साथ आत्ममंथन का संदेश देता है। प्रदेश की वास्तविक समृद्धि तभी सुनिश्चित होगी?। जब किसान को उपज का उचित मूल्य, युवा को रोजगार, महिलाओं को समान अवसर। प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएँ मिलें। मध्यप्रदेश की प्रगति का सही पैमाना केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना है। यही स्थापना दिवस का सार्थक संकल्प और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद



सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है। निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा



ललित गर्ग

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।



किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है।

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज।

अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि ÷माँ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे यार।÷ इस तरह 'जियो' केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

नलकूप खराब, पांच हजार की आबादी के सामने पेयजल संकट



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रास्टनगंज क्षेत्र में नलकूप खराब होने से करीब पांच हजार की आबादी के समक्ष पेयजल संकट खड़ा हो गया है। वार्डवासियों को पानी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने जल संस्थान से जल्द से जल्द समस्या के निराकरण की मांग की है।

ग्रास्टनगंज स्थित नलकूप से ग्रास्टनगंज, रतनपुर और कुंभीचौड़ क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले गर्मी के मौसम में ही नलकूप की मोटर खराब होने की समस्या सामने आती थी, लेकिन अब सर्दियों में भी यही स्थिति बनी हुई है। उनका आरोप है कि जल संस्थान हर बार पुरानी मोटर की मरम्मत कराकर काम चला देता है। जबकि, मोटर की स्थिति को देखते हुए उसे बदलकर नई मोटर लगाई जानी चाहिए। मरम्मत के कुछ दिन बाद ही मोटर दोबारा खराब हो जाती है और लोगों को पेयजल संकट से जूझना पड़ता है। वार्डवासियों के अनुसार, शिकायत के बाद जल संस्थान की ओर से पानी के टैंकर भेजकर आपूर्ति की जा रही है, लेकिन इससे पूरी आबादी की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही है। सबसे अधिक परेशानी घरों में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। पानी की किल्लत के कारण लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने जल संस्थान से नलकूप की मोटर बदलकर स्थायी समाधान करने और क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

मेडिकल कॉलेज निर्माण नहीं होने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड विकास समिति ने आश्वासन के बाद भी कोटद्वार में मेडिकल कालेज निर्माण नहीं होने पर रोष व्यक्त किया है। कहा कि वर्तमान में कालेज के लिए चिह्नित भूमि अवैध खनन की भेंट चढ़ चुकी है। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला सहित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा। बताया कि वर्ष 2015 में कोटद्वार के हल्दूखात के लछपुर में मेडिकल कालेज निर्माण के लिए 12.87 हे0 भूमि चिह्नित की गई। लेकिन, आज तक धरातल पर यह मेडिकल कालेज रंग नहीं ला पाया है। कहा कि वर्तमान में इस भूमि पर अवैध खनन हो चुका है। कहा कि पूरे मामले की जांच कर जल्द से जल्द धरातल पर मेडिकल कॉलेज निर्माण की कवायद शुरु होनी चाहिए। इस मौके पर पीए अंथ्वाल, विजय माहेश्वरी, जेके बड़थ्वाल, विपुल उनियाल, कलावती बिष्ट, दुर्गा प्रसाद दुबे, बृजमोहन ममगाई, रविंद्र सहिं रावत आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया समाज सेवा का संकल्प



पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में शपथ लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय एकता दिवस पर पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत के विद्यार्थियों ने समाज सेवा में योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एकता दौड़ लगाकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने देश के प्रथम गृहमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दोनों विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाते हुए प्रधानाचार्य ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 565 रियासतों का विलय कर अखंड भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, इंदिरा गांधी के कार्यकाल में वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के बाद बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। उनके कार्यकाल में ही 19 जुलाई 1969 को 14 प्रमुख निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एकता दौड़ में प्रतिभाग कर राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रमोद कुमार रमोला, संजय कुमार, रामेंद्र भंडारी, नीरज कुमार रमोला, प्रमोद रावत, विजेता सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी की ओर से संगठनात्मक गतिविधियों को मंडल एवं बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की सांगठनिक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य बैठक आयोजित की गई। इस दौरान भाजपा को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में संगठन की कार्यपद्धति, प्रकोष्ठों की भूमिका, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

निम्बूचौड़ स्थित एक बारात घर में बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेश प्रकोष्ठ समन्वयक कौस्तुभानंद जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, प्रदेश सह-समन्वयक सरिता त्रिपाठी, प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ संयोजक उमेश त्रिपाठी, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. सुमेर रवि, प्रदेश कार्यालय सचिव जगमोहन रावत और जिला प्रकोष्ठ समन्वयक प्रमोद डोबरियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों की अहम भूमिका है।



कोटद्वार में आयोजित भाजपा के कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि

प्रकोष्ठों से जुड़े विशेषज्ञों और प्रतिभावान कार्यकर्ताओं की क्षमताओं का उपयोग संगठन को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन से जोड़ने के साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सरकार के विकास कार्यों के दम पर प्रदेश में एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। इसके लिए सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को अभी से पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ संगठनात्मक गतिविधियों में जुटना होगा।

प्रदेश प्रकोष्ठ समन्वयक कौस्तुभानंद जोशी ने संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन, विभिन्न प्रकोष्ठों की उपयोगिता और उनके दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रकोष्ठ संगठन की पहुंच समाज के प्रत्येक वर्ग तक बनाने का सशक्त माध्यम हैं। सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं और पार्टी की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को आमजन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पदाधिकारियों की सांगठनिक क्षमता का विकास, दायित्वों के प्रति स्पष्टता और संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करना है। कार्यशाला को प्रदेश सह-समन्वयक सरिता त्रिपाठी, प्रदेश कार्यालय सचिव जगमोहन रावत और जिला सह-समन्वयक प्रमोद बंसल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रकोष्ठ समन्वयक प्रमोद डोबरियाल ने की, जबकि संचालन सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनिल नवानी ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक सौरव नौडियाल, भाबर मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, बबीता सिंह, जिला एनजीओ प्रकोष्ठ संयोजक कालिका प्रसाद बौंठियाल, व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक राजदीप माहेश्वरी, दिव्यांग प्रकोष्ठ संयोजक नीरज डबराल, एसएचजी प्रकोष्ठ संयोजक लक्ष्मी नेगी, लघु उद्योग प्रकोष्ठ संयोजक विभु ग्रोवर, चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. तरुण जोशी, विकास देवरानी, प्रणिता कंडवाल सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मालिनी पुल की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों का हो तकनीकी परीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : मालिनी पुल के नवनिर्मित स्लैब के बीच दिखाई दे रहे गैप को लेकर उठ रहे सवालों के बीच भाजपा ने मामले की विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग की है। भाजपा का कहना है कि पुल की गुणवत्ता को लेकर इंटरनेट मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में विशेषज्ञों की विशेष टीम गठित कर तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके और जनता के मन में बना संशय दूर हो।

इस संबंध में भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने बताया कि 13 जुलाई 2023 को अतिवृष्टि के कारण मालन नदी पर बना पुल ढह गया था। इसके बाद करीब 27 करोड़ रुपये की लागत से पुल का पुनर्निर्माण कराया गया। एक वर्ष से अधिक समय तक चले निर्माण कार्य के बाद वर्ष 2024 में पुल को यातायात के लिए खोल दिया गया था। उन्होंने कहा कि पुल के दोबारा शुरू होने के बाद से ही इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में पुल के नवनिर्मित स्लैब के बीच दिखाई दे रहे गैप को लेकर विपक्ष की ओर से भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इसे सामान्य गैप बता रहे हैं, लेकिन लोगों के बीच अब भी संशय बना हुआ है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने मांग की कि विशेषज्ञों की टीम गठित कर पुल की तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज स्वयं कोटद्वार पहुंचकर विभागीय अधिकारियों के साथ पुल का निरीक्षण करें, ताकि पुल की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी ने चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की पौड़ी शाखा द्वारा कार्यालय परिसर एवं उसके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सामूहिक सहभागिता सुनिश्चित करना है।

रेडक्रॉस शाखा द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि स्वच्छता अभियान दीपावली तक निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान कार्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता बनाएं रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर रेडक्रॉस पदाधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है। सभी नागरिकों से भी अपील की गई कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। इस अवसर पर शाखा सचिव केशर सिंह असवाल, दीपक खनसूली, कोषाध्यक्ष डॉ. अमिता मेहरा, राज्य प्रतिनिधि प्रदीप रावत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रामलीला मंच के आगे बनेगा टिन शेड, होगा सौंदर्यीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा नवयुवक रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला में शुक्रवार को सीता खोज और बाली-सुग्रीव लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला के दौरान शबरी के किरदार में पूनम मैठाणी ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। भगवान राम के प्रति शबरी की अटूट श्रद्धा, निस्वार्थ प्रेम और भक्ति को उन्होंने जिस सहजता और भावपूर्ण अंदाज में मंच पर जीवंत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंच संचालक त्रिलोक दर्शन थपलियाल ने बारिश के दौरान दर्शकों को होने वाली परेशानियों के बारे में बताया। इस पर मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रामलीला मंच के आगे टिन शेड बनाने और सौंदर्यीकरण के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष गंगा सिंह रावत, सचिव भरत सिंह रावत, उपाध्यक्ष दीनदयाल बुटोला, कोषाध्यक्ष गणेश डिमरी आदि मौजूद रहे।

दुकान में लगी भीषण आग, सामान जलकर खाक

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बछेलीखाल बाजार में शुक्रवार रात को पाली गांव निवासी जय सिंह रावत पुत्र सुरेंद्र सिंह रावत की कन्फेक्शनरी की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते दुकान में रखा सामान जल गया। आग की लपटें तेज होने के कारण लोग बुझा नहीं सके। सूचना पर अग्निशमन का वाहन पहुंचा तो उसमें पर्याप्त पानी नहीं था। ऐसे में दमकलकर्मियों ने आग तो बुझा दी लेकिन इसमें दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है। शुक्रवार रात को कन्फेक्शनरी की दुकान में अचानक आग की लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा तो दहशत का माहौल बन गया। व्यापारियों और ग्रामीणों ने तुरंत पानी और बालू डालकर आग पर काबू पाने की भरसक कोशिश की लेकिन लपटें तेज होने के कारण वह आग पर काबू नहीं पा सके। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। श्रीनगर से फायर ब्रिगेड का वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन वाहन में पर्याप्त पानी नहीं था। ऐसे में दमकल कर्मियों को आग बुझाने में भारी मशक्कत और दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों और व्यापारियों ने शासन-प्रशासन से देवप्रयाग में स्थायी अग्निशमन केंद्र स्थापित करने तथा पर्याप्त जल क्षमता वाले आधुनिक दमकल वाहनों की तैनाती की मांग उठाई। वहीं कोतवाली प्रभारी देवप्रयाग कृष्णकांत ने बताया कि संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण दुकान में आग लगी है।

मोटर साइकिल के नंबर पर चला रहे थे इनोवा कार, दो आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : लैंसडौन पुलिस को चकमा देकर कार्रवाई से बचने के लिए मोटर साइकिल का नंबर लगाकर इनोवा कार दौड़ा रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस चेकिंग के दौरान कार पर लगी नंबर प्लेट की जांच की गई तो दर्ज नंबर एक टीवीएस अपाचे मोटर साइकिल का निकला।



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार के निर्देश पर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत शुक्रवार देर सांय को गुमखाल चेक पोस्ट पर लैंसडौन पुलिस संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सिल्वर रंग की टोयोटा इनोवा को रोककर जांच की गई। वाहन में लगी फर्जी नंबर प्लेट के साथ सीट के नीचे से दो हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट भी बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने करीब एक माह पूर्व अमृतसर से इनोवा खरीदी थी। वाहन के कागजात एक्सपायर होने के कारण पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए इंटरनेट पर दूसरे वाहन का नंबर देखकर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी थी। पुलिस ने इस मामले में उमेश सुयाल निवासी कुसुमखेड़ा, नैनीताल, विक्रम निवासी मछेल्या, अल्मोड़ा को गिरफ्तार किया है। दोनों के विरुद्ध कोतवाली लैंसडौन में बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक प्रवेश कुमार, हेड कांस्टेबल पंकज शर्मा, कांस्टेबल मुकेश जोशी, कांस्टेबल गोपाल शामिल रहे।

भाषण में आयुषी, आदित्य, कृतिका, दिव्यांशी ने मारी बाजी

प्रधानाचार्य ने दिलाई राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अन्तर्गत श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग हिंदी भाषा में आयुषी रावत, सीनियर वर्ग में आदित्य बिष्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि अंग्रेजी भाषा में जूनियर वर्ग में कृतिका, सीनियर वर्ग में दिव्यांशी गुसांई प्रथम स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व के



विषय में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। भाषण प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग हिंदी भाषा में आयुषी रावत कक्षा आठ प्रथम, रिया कक्षा सात द्वितीय, तमन्ना तृतीय स्थान पर रही। जूनियर वर्ग अंग्रेजी भाषा में कृतिका कक्षा आठ, अंशिका पुण्डीर कक्षा सात, आरव कक्षा आठ, सीनियर वर्ग हिंदी भाषा में आदित्य बिष्ट कक्षा 11, आरूषि बुड़ाकोटी, दिया पंत, अंग्रेजी भाषा में दिव्यांशी गुसांई कक्षा 11, अरूण कक्षा 10, अनुष्का रावत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. गिरीश उनियाल ने छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें सरदार वल्लभ भाई पटेल के अदम्य साहस, दूरदृष्टि और अटूट देशभक्ति की याद दिलाता है और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। कहा कि सरदार पटेल का सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और अखंडता को समर्पित था। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

पंजीकृत संस्थाओं से वाणिज्यिक विज्ञापन अनुबंध, किराना सह वाणिज्यिक कियोस्क, प्रीमियम ब्रांड आउटलेट, फूड वैन, सैलून कियोस्क, बैटरी चालित वाहन आदि के अनुबंधों के आवंटन हेतु वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक /कोचिंग, (ए.सी. ओ), मुरादाबाद (ACO) द्वारा दिनांक 16.11.2026 & 17.11.2026 को IREPS के माध्यम से ई–नीलामी हेतु बोलियां आमंत्रित की गई हैं। संबंधित कैटलॉग IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पहले ही प्रकाशित किए जा चुके हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग
उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

3818/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SGC025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या – 13/2026–27 जोकि दिनांक– 31/10/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा को क्रय करने की तिथि को दिनांक 12/11/2026 को पूर्वाहन 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराहन 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

पत्रांक : 1090/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 अधिशासी अभियन्ता,
दिनांक : 31.10.2026 वि0वि0 खण्ड– नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को बनाएं रखना नागरिकों का नैतिक दायित्व

भक्तदर्शन महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित हुई रन फॉर यूनिटी

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौनः भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के अंतर्गत दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रो. एल. आर. राजवंशी द्वारा प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई।

महाविद्यालय की प्राचार्य ने कहा कि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को



बनाएं रखना हम सभी नागरिकों का नैतिक दायित्व है। विद्यार्थियों को जाति, धर्म, भाषा एवं क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। नमामि गंगे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अजय रावत ने कहा कि राष्ट्रीय एकता केवल विचारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमारे व्यवहार एवं कार्यों में भी दिखाई देनी चाहिए। कहा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहभागिता एवं सामूहिक जिम्मेदारी जैसे कार्य भी राष्ट्र की एकता और समृद्धि को मजबूत बनाते हैं। एनसीसी के एएनओ डॉ. देवेन्द्र चौहान ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र की सेवा एवं सुरक्षा के प्रति सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। रोवर्स प्रभारी डॉ. सुभाष पोखरियाल ने कहा कि रोवर्स एवं रेंजर्स का मूल उद्देश्य युवाओं में सेवा, सहयोग, अनुशासन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग समाज में एकता, सद्भाव एवं सहयोग का संदेश प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस मौके पर रेंजर्स प्रभारी डॉ. जया काण्डपाल, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. सत्यनन्दन भगत, डॉ. मानसी वत्स, डॉ. मो. शहजाद, डॉ. उमेश ध्यानी, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. शिप्रा, डॉ. एस ए. अंसारी, डॉ. सुमन कुकरेती, सतीश चन्द्र पोखरियाल, राजीव रजवार सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा घरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	237-DRM-MB-26-27 Date-30.01.2026
कार्य का नाम	Flash butt Welding of Rails of 260 Mtr panel / any length (60Kg or higher, new/in service) at Track Renewal Sites under sanctioned Track Renewal Works in main and loop lines (TRR, CTR, TTR etc.) over Moradabad division under Sr. DEN/C/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	26.11.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	8,68,35,516.45
घरोहर राशि	17,36,700.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	18 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	12.11.2026

टेन्डर नं. Sr. DEN-C/Publication/26-27 दिनांक 30.10.2026 3820/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय एकता दिवस पर छात्राओं को दी बाल अधिकारों की जानकारी



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शनिवार को राजमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, तिमली में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित यह शिविर राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के राष्ट्रव्यापी 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने में उनके अतुलनीय योगदान का स्मरण किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने छात्राओं को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल यौन शोषण की रोकथाम, अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार, उत्पीड़न अथवा शोषण की स्थिति में बच्चों को बिना किसी भय या संकोच के अपने अभिभावकों, शिक्षकों या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में रहने, शिक्षा प्राप्त करने और अपने अधिकारों के संरक्षण का अधिकार है। बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता और किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध आवाज उठाना सुरक्षित बचपन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर रिटेनर अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह रावत ने छात्राओं को निःशुल्क विधिक सहायता, प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा बच्चों के अधिकारों एवं संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य गणेश ध्यानी, अधिकार मित्र चतुर सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्रों को बताएं कानूनी अधिकार

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक के घंडियाल स्थित सरस्वती विद्या विद्या मंदिर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी ह्लसुरक्षित बचपन अभियानह्व के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में परा विधिक स्वयं सेवी, अधिकार मित्र जगमोहन डांगी द्वारा छात्र-छात्राओं को बच्चों के उनके अधिकारों, उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर बच्चों को उनके प्रति होने वाले विभिन्न प्रकार के अपराधों, बाल अधिकारों के उल्लंघन, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, व्यक्तिगत एवं ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। प्रधानाचार्य संदीप रावत ने छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन, राष्ट निर्माण में उनके योगदान, देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

गोमुख ट्रैक पर नहीं जा सकेंगे पर्यटक

हिमस्खलन के खतरे के बीच लगाई गई अनिश्चितकालीन रोक



उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल पार्क की ओर से गोमुख ट्रैक पर अधिक बर्फबारी के बाद अनिश्चितकालीन अस्थायी रोक लगा दी है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बीते दिनों ट्रैक पर अधिक बर्फबारी होने के कारण हिमस्खलन का खतरे के साथ ही कई स्थानों पर मार्ग क्षतिग्रस्त है। इसलिए सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

बीते बृहस्पतिवार व शुक्रवार को गोमुख ट्रैक पर अधिक बर्फबारी होने के कारण वहां पर हिमस्खलन का खतरा बना है। साथ ही अधिक बर्फ के कारण कई स्थानों पर ट्रैक क्षतिग्रस्त भी हुआ है। गंगोत्री नेशनल पार्क के अनुसार बर्फबारी के कारण भोजबासा व तपोवन क्षेत्र में सात ट्रैकर्स फंसे हुए हैं। हालांकि उन सभी से संपर्क हो गया है और वह सुरक्षित स्थान पर हैं।

ट्रैक पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी

उनको गंगोत्री तक पहुंचाने के लिए वन विभाग की ओर से प्रयास किया जा रहा है। रेंज अधिकारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि हिमस्खलन आदि के खतरे को देखते हुए गोमुख ट्रैक पर अनिश्चिकालीन अस्थायी रोक लगा दी गई है। जब तक मौसम सहित ट्रैक पर आवाजाही के लिए स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक किसी को भी ट्रैक पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तीन मंजिला मकान भरभराकर गिरा, लोगों ने भागकर बचाई जान



चिन्यालीसौड़। भारी बारिश के बीच आधी रात को मथाली गांव में तीन मंजिला पुश्तैनी मकान भरभराकर ढह गया। मकान गिरने से पहले खतरे का आभास होने पर चार परिवारों ने रात के अंधेरे में घर छोड़कर अपनी जान बचाई। हालांकि, हादसे में चार परिवारों का आशियाना पूरी तरह उजड़ गया और घर में रखा सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया।

मकान के ढहने का आभास होने पर परिवारों ने रात करीब एक बजे आनन-फानन में घर खाली कर दिया। इसके करीब आधे घंटे बाद रात 1:30 बजे पूरा भवन क्षतिग्रस्त होकर ढह गया। समय रहते घर से बाहर निकलने के कारण बड़ा हादसा बच गया। घटना में मान सिंह राणा, बीरपाल सिंह राणा, कुलवीर सिंह राणा और जितेन्द्र सिंह राणा के परिवारों का आवासीय हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। यह नौ परिवारों का संयुक्त पुश्तैनी आवास बताया जा रहा है जिसमें वर्तमान में चार ही परिवार निवास कर रहे थे। घर में रखा सामान भी मलबे में दबकर नष्ट हो गया। मकान ढहने के बाद इन चारों परिवारों के सामने रहने और खाने का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से तत्काल मदद की गुहार लगाते हुए रहने के लिए सुरक्षित स्थान और भोजन की व्यवस्था कराने की मांग की है।

इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

उत्तरकाशी। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शनिवार को कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने दृढ़ नेतृत्व और साहसिक निर्णयों से देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष मनीष राणा, कनकपाल सिंह परमार, कमल सिंह रावत, बिजेंद्र नौटियाल, शीशपाल पोखरियाल, विजय सेमवाल, अनवीर पंवार, सुधीर पंवार, रमन कठैत, सूर्य बल्लभ नौटियाल, मनोज राही आदि मौजूद रहे।

परिवहन मंत्री से वार्ता के बाद माने रोडवेज कर्मचारी

देहरादून। परिवहन मंत्री के साथ वार्ता में मांगों पर सहमति बनने के बाद उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने एक महीने के लिए कार्य बहिष्कार स्थगित कर दिया है। इसके बाद संचालन सामान्य हो गया है। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के बैनर तले कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर 30 अक्तूबर से कार्य बहिष्कार को शुरू किया था। इससे बस संचालन पर असर पड़ा था।

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने भी आंदोलन की चेतावनी दी हुई थी। इसके बाद मामले का हल निकालने के लिए परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा की अध्यक्षता में शासकीय आवास में बैठक रखी गई। इसमें परिवहन निगम, परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ ही रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन, उत्तराखंड रोडवेज इंपलाइज यूनियन, एससी- एसटी श्रमिक संघ, उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ के पदाधिकारियों को बुलाया गया था। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रदेश महामंत्री अशोक चौधरी ने बताया कि मांगों पर सहमति बनने के बाद



आंदोलन को एक महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बैठक में नियमित वेतन संबंधी मांग पर फैसला हुआ कि माह अगस्त का चार नवंबर से पहले और सितंबर का नवंबर महीने में वेतन का भुगतान होगा। संविदा, विशेष श्रेणी के कर्मियों का नियमितीकरण का प्रस्ताव शासनादेशों में अनुमन्य नियमानुसार छूट के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। एजेंसी चालक-परिचालकों व अन्य पदों पर कार्यरत कार्मिकों को निगम कर्मचारी घोषित करने और एजेंसी प्रथा को पूरी तरह प्रतिबंध करने की मांग पर फैसला हुआ कि शासन स्तर पर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर अग्रिम कार्रवाई जी जाएगी। परिवहन विभाग को डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

एक नजर

युवा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं

श्रीनगर गढ़वाल : लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान और देशी रियासतों के एकीकरण में उनकी भूमिका को याद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ ली।

मुख्य अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ओपी गुसाईं ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रो. एमएम सेमवाल ने सरदार पटेल के जीवन से जुड़े प्रसंग साझा किए।

डॉ. राकेश नेगी ने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। डॉ. नरेश ने भी राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। पीएचडी शोधार्थी साक्षी और करिश्मा तथा बीए के विद्यार्थी जसमीत, अभिषु लखेड़ा और भूमिका जोशी ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. गिरीश, डॉ. सुभाष, डॉ. हेमलता सहित विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। (एजेंसी)

पुलिस कर्मियों और परिजनों के स्वास्थ्य की जांच की

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली कीर्तिनगर परिसर में पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कीर्तिनगर के चिकित्सकों की टीम ने शिविर में पुलिस कर्मियों और उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान चिकित्सकों ने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग और पर्याप्त नींद के महत्व की जानकारी दी। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया। (एजेंसी)

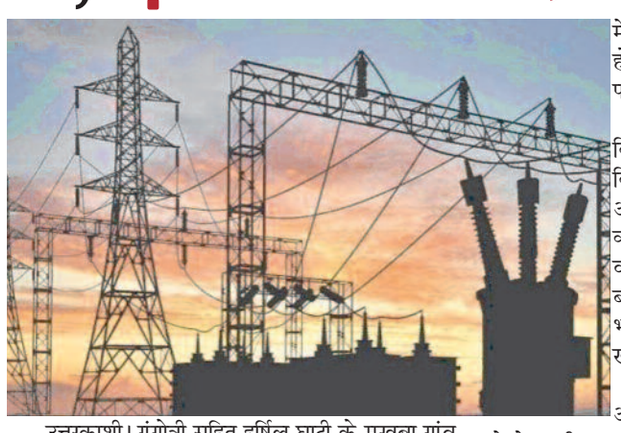
वाद-विवाद में भावना ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय एकता दिवस पर कोतवाली कीर्तिनगर पुलिस ने सरस्वती विद्या मंदिर मढ़ी चौरास में वाद-विवाद प्रतियोगिता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर साइबर अपराध, नशे, पॉक्सो अधिनियम और यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया गया, जबकि प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति पर विचार रखे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम, मीनाक्षी ने द्वितीय और कनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुलिस ने विजेता छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। (एजेंसी)

दीपावली तक अस्थाई छूट देने की मांग की

श्रीनगर गढ़वाल : दीपावली त्योहार को देखते हुए व्यापार सभा ने बाजार में दुकानों के आगे सड़क की ओर सीमित जगह पर सामान रखने की अनुमति मांगी है। इस संबंध में व्यापार सभा ने मेयर को ज्ञापन सौंपकर दीपावली तक अस्थायी छूट देने की मांग की। व्यापार सभा के महासचिव छवि प्रकाश अग्रवाल, आशीष सडाना और पंकज नेगी ने कहा कि दीपावली पर बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से व्यापारियों को दुकान के बाहर सामान सजाने के लिए अतिरिक्त जगह की जरूरत होती है। उन्होंने दीपावली सीजन तक सीमित स्थान पर सामान रखने की अनुमति देने का अनुरोध किया। साथ ही आश्वस्त किया कि इससे यातायात और पैदल राहगीरों की आवाजाही प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। दीपावली के बाद व्यापारी पहले की तरह व्यवस्था कर लेंगे। (एजेंसी)

बिजली देने वाले पावर हाउस खुद अंधेरे में, डेढ़ साल से ठप दो परियोजनाएं



उत्तरकाशी। गंगोत्री सहित हर्षिल घाटी के मुखबा गांव में स्थित उत्तराखंड नवीनीकरण ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) की दो जल विद्युत परियोजनाएं लंबे समय से बंद पड़ी है। इससे धाम सहित उस क्षेत्र में नियमित बिजली की आपूर्ति के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुखबा के कछोरा में स्थित पावर हाउस का रखरखाव नहीं होने के कारण अब वह बदहाल स्थिति में पड़ा है।

स्थानीय निवासी अर्जुन नेगी ने बताया कि कछोरा में स्थित उरेडा का दो सौ किलोवाट का पावर हाउस मुखबा सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी करने में सहायक होता था लेकिन गत डेढ़ वर्षों से यह बंद होने के कारण अब बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। इसका भवन जर्जर होने के साथ ही मशीनें भी खराब हो रही है।

नेगी ने कहा कि ग्रिड की बिजली पर अधिक लोड होने के कारण क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या चल रही है। ऐसे समय में यह पावर हाउस नियमित आपूर्ति में सहायक होता था। साथ ही बर्फबारी और आपदा के समय इसी पावर हाउस से बिजली आपूर्ति होती थी लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण अब यह संपत्ति बरबाद हो रही है।

एसपी कमलेश को डीजीपी गोल्ड डिस्क

उत्तरकाशी। उत्कृष्ट एवं विशिष्ट कार्यों के लिए पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय को पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क (गोल्ड) से सम्मानित किया गया। वही, मुख्य आरक्षी बीना चौधरी और आरक्षी लायवर सिंह को प्रशस्ति डिस्क (सिल्वर) प्रदान की गई। शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानसू में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक एवं पीएसी सुनील कुमार मीणा ने तीनों पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान आयोजित रैतिक परेड की आईजी ने सलामी ली और पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। परेड के बाद आईजी ने पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं, क्वार्टर गार्ड, स्टोर, परिवहन शाखा, जिम, मनोरंजन कक्ष और कर्मचारी बैरकों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में मसीह दिलासा स्कूल के छात्र-छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और दहेज प्रथा के खिलाफ नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

पुरोला में भूकंप का सायरन बजते ही मची अफरा-तफरी

पुरोला। भूकंप का सायरन बजते ही अफरा-तफरी मच गई। कहीं इमारतों में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश हुई तो कई आग में फंसे स्कूली बच्चों को बचाने के लिए राहत दल दौड़ पड़े। भूस्खलन से रास्ता बंद होने पर मलबा और पेड़ हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। यह नजारा शनिवार को भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील पुरोला में आयोजित आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल का था जहां प्रशासन ने वास्तविक आपदा जैसी स्थिति बनाकर तैयारियों को परखा।

अभ्यास के दौरान सुबह 9:30 बजे 6.0 तीव्रता के भूकंप का परिदृश्य तैयार किया गया। इसका केंद्र कुरूड़ा और ढकाड़ा क्षेत्र में जमीन से चार किलोमीटर नीचे दर्शाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य विभागों की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। राजकीय महाविद्यालय में दो कक्षों के क्षतिग्रस्त होने और 15 लोगों के घायल होने का दृश्य बनाया गया।

बचाव दलों ने घायलों को बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया। वहीं जवाहर नवोदय विद्यालय की रसोई में आग लगने और 20 छात्र-छात्राओं के फंसने की स्थिति बनाई गई। इनमें दो छात्रों के हाथ झुलसने का भी अभ्यास कराया गया। सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के साथ विद्यालय मार्ग पर भूस्खलन से गिरे पेड़ को हटाकर यातायात बहाल करने की कार्रवाई की गई।

बागों में बेमौसम बहार, अगले सीजन की पैदावार पर मंडराया खतरा

पुरोला। यमुना घाटी के विभिन्न क्षेत्रों में इन दिनों सेब, आड़ू और पुलम के बागों में असमय फूल खिलने की समस्या सामने आने लगी है। मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव और तापमान में असामान्य बदलाव के चलते पेड़ों पर समय से पहले फूल आने से बागवानों की चिंता बढ़ गई है। इसको लेकर राजकीय उद्यान एवं प्रशिक्षण संस्थान जरमोला की उप निदेशक ज्योति बजेली ने बागवानों को सतर्क रहने और असमय खिल रहे फूलों को तत्काल हटाने की सलाह दी है।

ज्योति बजेली ने बताया कि इस समय पेड़ों पर आने वाले असमय फूल सुप्तावस्था के दौरान उपयोग के लिए संचित कार्बोहाइड्रेट और ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं। इससे पेड़ों की प्राकृतिक सुप्तावस्था की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसका प्रतिकूल असर आगामी सीजन में पुष्पन, फल बनने की प्रक्रिया और कुल उत्पादन पर पड़ने की आशंका रहती है।

उन्होंने कहा कि मौसम में असामान्य बदलाव और तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण कई क्षेत्रों में फलदार पेड़ों पर समय से पहले फूल निकल रहे हैं। यदि इन फूलों को पेड़ों पर ही रहने दिया गया तो पौधों की संचित ऊर्जा अनावश्यक रूप से खर्च होगी जिससे पेड़ों की वृद्धि और उनकी आगामी उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है। उप निदेशक ने बागवानों से कहा कि वे अपने बागों का नियमित निरीक्षण करें और जहां भी असमय फूल दिखाई दें, उन्हें सावधानीपूर्वक हाथ से हटा दें।

केदारताल ट्रैक पर हिमस्खलन से फंसे पश्चिम बंगाल और यूपी के आठ ट्रैकर

उत्तरकाशी। चार दिन पूर्व केदारताल ट्रैक पर गए पश्चिम बंगाल सहित उत्तर प्रदेश के सात ट्रैकर्स और एक गाइड ट्रैक पर भारी हिमस्खलन के कारण भोजखड़क में फंस गए हैं। उनके साथ तीन पोर्टर और एक कुक सुरक्षित बीते शुक्रवार को गंगोत्री पहुंचे। वहां पर उन्होंने गंगोत्री नेशनल पार्क के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। उसके बाद शनिवार को एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व वन विभाग की टीम फंसे हुए ट्रैकर्स के रेस्क्यू के लिए रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार बीते 27 अक्तूबर को 12 लोगों का दल केदारताल ट्रैक के लिए रवाना हुआ था।

केदारताल पहुंचने के बाद वह बीते 29 अक्तूबर को गंगोत्री के लिए लौट रहे थे। तभी भोजखड़क के समीप अचानक भारी हिमस्खलन होने के कारण सात ट्रैकर्स सहित एक गाइड वहां



पर फंस गए। उसके साथ अन्य तीन पोर्टर व एक कुक उस स्थान से आगे थे।

वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना

वे लोग बीते शुक्रवार को गंगोत्री पहुंचे। वहां पर उन्होंने पूरी घटना की जानकारी गंगोत्री नेशनल पार्क के अधिकारियों को दी। पार्क की ओर से प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। उसके बाद शनिवार को एनडीआरएफ सहित एसडीआरएफ और वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंज अधिकारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि केदारताल ट्रैक पर भोजखड़क के समीप पश्चिम बंगाल के तपस बाउरी, रतन घोष, मनोज खोवास, रिंटू मोंडल, उदय घोष और उत्तर प्रदेश की वर्तिका वर्मा, दीपक वर्मा सहित गाइड सिद्धार्थ राणा फंसे हुए हैं।

अब हर उड़ान में पायलट के साथ दूसरा पायलट भी जरूरी

चमोली। उत्तराखंड में संचालित होने वाली चारधाम चार्टर्ड हेली सेवाओं में अब पायलट के साथ को-पायलट भी होंगे। वहीं, हर फ्लाइट के बाद पायलट को अपनी रिपोर्ट उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण(युकाडा) को भेजनी होगी। हेली हादसे के बाद शनिवार को हुई डीजीसीए-युकाडा की उच्च स्तरीय बैठक में ये अहम फैसले लिए गए। उधर, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की टीम ने शनिवार को घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। अभी तक चार्टर्ड हेली सेवाओं में केवल पायलट उड़ान भरते हैं। अब तय किया गया है कि अब पायलट के साथ को-पायलट भी होंगे। वहीं, पायलट का भी उड़ान को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं होती थी लेकिन अब हर उड़ान के बाद पायलट को अपनी रिपोर्ट युकाडा को भेजनी होगी। ये नए नियम दो नवंबर से प्रदेश में लागू होंगे। बैठक में जिस हेली कंपनी ट्रांस भारत का हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हुआ है, उसकी सभी



उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। ट्रांसभारत की जौलीग्रांट एअरपोर्ट से चारधाम चार्टर्ड हेली सेवा के अलावा गुप्तकाशी से केदारनाथ के बीच भी हेली सेवा संचालित होती है। युकाडा के सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि उड़ान पर रोक लगने के बाद इसके जो भी यात्री बुक हैं, वह दूसरी कंपनियों की हेली सेवाओं में समायोजित किए जाएंगे। बाकी कंपनियों की हेली सेवाएं शनिवार को सुचारु रहीं।

जांच टीम ने की मौके पर पहुंचकर पड़ताल

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और डीजीसीए की टीम शनिवार को चमोली स्थित दुर्घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके से जरूरी जानकारी जुटाई। हादसे में ब्लैक बॉक्स की भी तलाश की। फिलहाल टीम चमोली में ही रुकी हुई है। लौटने के बाद जांच पूरी करके डीजीसीए को अपनी रिपोर्ट देगी, जिसके बाद ही हादसे के मुख्य कारणों का पता चल सकेगा।

दो साल से बिना बिजली-पानी के चल रही राजगढ़ी पुलिस चौकी

बड़कोट। बनाल और ठकराल पट्टी के दर्जनों गांवों की सुरक्षा के लिए राजगढ़ी में स्थापित पुलिस चौकी दो साल बाद भी बदहाल व्यवस्थाओं से जूझ रही है। चौकी में न बिजली है, न पानी और न ही पर्याप्त पुलिसकर्मी नियुक्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौकी का संचालन महज एक होमगार्ड के भरोसे चल रहा है। ऐसे में ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए स्थापित चौकी की उपयोगिता पर सवाल उठने लगे हैं।राजगढ़ी में पुलिस चौकी खोलने की मांग अविभाजित उत्तर प्रदेश के समय से उठती रही है। बड़कोट कोतवाली क्षेत्र की बनाल और ठकराल पट्टी के दर्जनों गांवों के बीच स्थित राजगढ़ी को इसके लिए उपयुक्त स्थान माना गया। लंबे इंतजार के बाद करीब दो वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में चौकी स्थापित तो कर दी गई लेकिन इसके संचालन के लिए जरूरी सुविधाएं आज तक नहीं जुटाई जा सकी हैं। स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि चौकी खुलने से क्षेत्र में पुलिस की पहुंच बढ़ेगी और ग्रामीणों को सुरक्षा के साथ आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सकेगी। लेकिन बिजली-पानी और पर्याप्त पुलिस बल के अभाव में इन उम्मीदों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र के वरिष्ठ निवासी जगमोहन सिंह राणा सहित स्थानीय लोगों ने चौकी में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से 10 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में गुरुवार को एक एंबुलेंस के अंदर ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। हादसा थारपारकर जिले के नगरपारकर इलाके में हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, एंबुलेंस दानो धंधल स्थित एक बुनियादी स्वास्थ्य केंद्र से महिला को जिला अस्पताल मीठी ले जा रही थी। प्रसव के बाद जटिलताएं होने के कारण महिला को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाना था। थारपारकर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आरिफ अजीज जाफरी ने बताया कि अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें संबंधित महिला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस के अंदर चालक द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर को इधर-उधर करते समय उसमें विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और आगे की जांच चल रही है। इससे पहले, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के राजनपुर में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कराची से डेरा गाजी खान जा रही एक यात्री बस निर्माण कार्य वाले राजमार्ग पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। पाकिस्तान की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने बस की रफ्तार तेज होने की आशंका जताई, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

बोस्निया में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा: यूरोपीय संघ के शांति मिशन के चार कर्मियों की मौत, 11 घायल; जांच शुरू

साराजेवो, एजेंसी। बोस्निया-हर्जेगोविना के उत्तरी इलाके में यूरोपीय संघ के शांति मिशन (ईयूफोर) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार चार कर्मियों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। ईयूफोर ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। हादसा ब्रचको शहर के आसपास हुआ। इटली का सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल था। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार पोर्टल क्लिक्स ने घटनास्थल की तस्वीरें प्रकाशित की हैं, जिनमें हेलीकॉप्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में एक मैदान में पड़ा दिखाई दे रहा है। ईयूफोर ने बताया कि दुर्घटना की गहन और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी बाद में साझा की जाएगी। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई। आसपास की नागरिक संपत्ति, इमारतों और वाहनों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

यमन के हूतियों ने सऊदी अरब के तेल, हवाई अड्डों और सैन्य ठिकानों पर किया हमला

सना, एजेंसी। यमन के हूती ग्रुप ने सऊदी अरब पर हमले का दावा किया है। हूती ने कहा कि उसने सऊदी अरब में तेल सुविधाओं, हवाई अड्डों और एक सैन्य ठिकाने पर छह मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती ग्रुप के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने हूति-संचालित 'अल-मसीराह टीवी' पर प्रसारित एक बयान में कहा कि तीन बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में स्थित 'रास तानूरा रिफाइनरी' और 'अब्काइक' में सऊदी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, देश के लाल सागर तट पर स्थित 'राबिग रिफाइनरी' को भी निशाना बनाया गया। सरिया ने बताया कि दो अन्य ऑपरेशन्स में सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित 'किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर मिसाइलों से, और पूर्वी प्रांत के दम्मम में स्थित 'किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर ड्रोन से हमला किया गया। हूती के सैन्य प्रवक्ता ने दावा किया कि इस हमले के कारण हवाई यातायात बाधित हुआ। याह्या सरिया ने यह भी बताया कि हूती ग्रुप ने दक्षिणी सीमावर्ती क्षेत्र नजरां स्थित सऊदी सैन्य बलों के 'कमांड सेंटर' को भी निशाना बनाया है। उन्होंने दावा किया कि इस हमले में कई सैनिक और अधिकारी हताहत हुए हैं। इसके अलावा, सरिया ने कहा कि ये हमले यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्रों पर सऊदी अरब की ओर से हाल ही में किए गए हमलों के जवाब में किए गए हैं।

इजराइल चुनाव- सरकार बनाने की कोशिशों में जुटे आइजनकोट

तीन विपक्षी नेताओं से मुलाकात की; बोले- नेतन्याहू चुनाव को बदनाम कर रहे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में चुनाव के बाद विपक्षी नेता गादी आइजनकोट सरकार बनाने की कोशिशों में जुट गए हैं। उन्होंने डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलान, बियाचाद के प्रमुख नफ्ताली बेनेट और विपक्षी नेता यायर लैपिड से मुलाकात की है। आइजनकोट ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी लिकुड पार्टी चुनाव नतीजों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें बहुमत नहीं मिला। चुनाव में अब तक आइजनकोट के गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं, जबकि नेतन्याहू के खेमे को 53 सीटें मिली हैं। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का समर्थन जरूरी है। वहीं, अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। ऐसे में किसी भी खेमे के पास बहुमत नहीं है। सरकार बनाने के लिए दोनों खेमों को दूसरे दलों का समर्थन जुटाना होगा।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने नेतन्याहू को चुनाव में जीत की बधाई दी

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू यरूशलम में मुलाकात के दौरान। यह तस्वीर 19 अप्रैल 2026 की है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और इजराइल के प्रधानमंत्री



नेतन्याहू यरूशलम में मुलाकात के दौरान। यह तस्वीर 19 अप्रैल 2026 की है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चुनाव में जीत की बधाई दी है। उन्होंने लिकुड पार्टी की जीत को बड़ी कामयाबी बताया। मिलेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा कि लिकुड एक बार फिर इजराइल की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है।

मिलेई ने कहा कि नेतन्याहू ने विरोधी सर्वे और चुनावी अनुमानों के बावजूद अपने नेतृत्व की ताकत दिखाई है। अर्जेंटीना और इजराइल पश्चिमी मूल्यों को चुनौती देने वाली ताकतों के खिलाफ रणनीतिक साझेदार बने रहेंगे। रिपोर्ट- नेतन्याहू के सहयोगी ने आइजनकोट को क्क्रू पद का ऑफर दिया नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री पद देने का प्रस्ताव दिया है। चैनल 12 न्यूज के मुताबिक, पार्टी इसके बदले हरेदी यहूदियों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग कर रही है। पार्टी के पास 7 सीटें हैं। वह आइजनकोट की सरकार में शामिल हुए बिना उसे समर्थन दे सकती है और संसद में उसके खिलाफ वोट नहीं करेगी। पार्टी के एक नेता ने कहा, 'नेतन्याहू से अब हमें कुछ नहीं मिलेगा। उनके साथ हमारा गठबंधन खत्म हो चुका है।' हालांकि, आइजनकोट सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा के पक्ष में हैं, जबकि यूनाइटेड टोरा जूडिज्म इसका विरोध करती है। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है। आइजनकोट बोले- नेतन्याहू चुनाव को बदनाम करने की कोशिश कर रहे गादी आइजनकोट ने नेतन्याहू पर चुनाव के नतीजों को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लिकुड पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर सकी, इसलिए चुनाव पर सवाल उठा रही है। आइजनकोट ने साफ किया कि वे संसद (नेसेट) की बैठक तय समय पर होने से रोकने नहीं देंगे। इजराइल की 120 सदस्यीय संसद (नेसेट) में पूर्ण बहुमत के लिए 61 सीटों की दरकार है, लेकिन मौजूदा नतीजों ने किसी भी एक गुट को स्पष्ट जनादेश नहीं दिया है: प्रधानमंत्री नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी ब्लॉक को 53 सीटें मिली हैं। विपक्षी गठबंधन: गादी आइजनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के खाते में 48 सीटें आई हैं। अरब पार्टियां व अन्य: अरब पार्टियों ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की है। किसी भी खेमे के पास अपने दम पर स्पष्ट बहुमत नहीं होने के कारण सत्ता की चाबी अब छोटे दलों और स्वतंत्र गुटों के रुख पर टिक गई है।

'तुम बहुत खराब दिख रहे हो': अपनी सेहत पर सवाल सुनते ही भड़के राष्ट्रपति ट्रंप, पत्रकार से कहा- खुद को फिट करो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक पत्रकार पर निजी हमला किया। दरअसल, जब पत्रकार ने ट्रंप की सेहत और कंसास तथा आयोवा में होने वाली चुनाव रैलियों को रद्द करने के उनके फैसले के बारे में सवाल किया। इस पर ट्रंप ने उनके शारीरिक रूप-रंग पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, खुद को फिट रखने की सलाह दी। यह बहस तब शुरू हुई जब पत्रकार ने पूछा कि क्या कंसास न जाने का ट्रंप का फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि देश भर में हफ्तों तक चुनाव प्रचार करने के बाद उनकी तबीयत ठीक नहीं है? ट्रंप अचानक गुस्से में आ गए। उन्होंने पत्रकार से कहा, 'ओह, ऐसा सवाल पूछने के लिए आप बीमार हैं। आप बीमार हैं। जब रिपोर्टर ने साफ किया कि वह केवल राष्ट्रपति का हाल-चाल पूछ रहा था, तो ट्रंप ने उस व्यक्ति के शारीरिक रूप-रंग पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कुछ पल के लिए पत्रकार की नकल उतारी और उसके सवाल को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'इस आदमी को देखो। इसका शरीर बिल्कुल भी ठीक नहीं है।' जब उनसे फिर पूछा गया कि क्या उनकी तबीयत ठीक है, तो राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उनका स्वास्थ्य एकदम सही है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले दो हफ्तों से खुद पर नजर रख रहा हूं। मैं बिल्कुल ठीक महसूस कर रहा हूं।' इसके बाद उन्होंने उस व्यक्ति पर एक और निजी हमला किया। ट्रंप ने टिप्पणी की, 'तुम बहुत भद्दे लग रहे हो। अपने शरीर को ठीक करो। तुम बहुत ही खराब दिख रहे हो।' यह तीखी बहस तब हुई जब ट्रंप ने कैनसस और आयोवा में सप्ताहांत के लिए तय अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रमों को रद्द करने का फैसला किया। इन जगहों पर मंगलवार को होने वाले मध्यावधि चुनावों (मिडटर्म इलेक्शन) में रिपब्लिकन पार्टी को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ रहा है। ये रैलियां शनिवार को कैनसस के सलीना और रविवार को आयोवा के डुबुक में होनी थीं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें कि ऐसा नहीं लगता कि उन्हें कैनसस जाने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने इस राज्य में रिपब्लिकन सीनेटर रोजर मार्शल की जीत की संभावनाओं पर भरोसा जताया। बाद में रिपब्लिकन नेशनल कमिटी ने आयोवा रैली के रद्द होने की भी पुष्टि कर दी। ट्रंप के कैंपेन फंडिंग ग्रुप, 'क्क्र इंक' ने बताया कि ट्रंप खुद वहां जाने के बजाय, चुनाव के दिन से पहले कैनसस और आयोवा समेत कम से कम 19 राज्यों में 'टेली-रैलियों' (फोन या ऑनलाइन माध्यम से होने वाली रैलियों) की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे। इन मध्यावधि चुनावों से यह तय होगा कि क्या रिपब्लिकन अमेरिकी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, दोनों में अपना मामूली नियंत्रण बनाए रख पाते हैं या नहीं। इन दो कार्यक्रमों को रद्द करने के बावजूद, उम्मीद है।

भूटान में शिंताफू हिमनद झील फटी, असम-बंगाल में बाढ़ का अलर्ट

थिम्पू, एजेंसी। भूटान के गासा जिले में स्थित शिंताफू हिमनद झील के फटने के बाद भारत के सीमावर्ती इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों के लिए एक विशेष परामर्श जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि संकोश नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि हो सकती है। यह घटना बृहस्पतिवार शाम को भूटान के गासा जिले के लाया गेवोग में लुंगो स्थित वाकिला पर्वत के नीचे मौजूद शिंताफू झील में हुई। नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क करने के लिए सायरन बजाए गए, जबकि प्रभावित इलाके के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। शिंताफू झील भूटान की 17 अत्यधिक संवेदनशील और संभावित रूप से खतरनाक हिमनद झीलों में शामिल है। यह झील भूटान के पुनातसंगछु नदी बेसिन में स्थित है। यह नदी भारत में प्रवेश करने पर संकोश नदी के नाम से जानी जाती है और उत्तरी बंगाल और असम के बड़े हिस्से से होकर गुजरती है। अचानक जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती बस्तियों, मवेशियों, फसलों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंच सकता है। दोनों राज्यों का स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

अमेरिका के ओरेगन में दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर, प्रमुख राजमार्ग बंद : ओरेगन , एजेंसी। ओरेगन में पोर्टलैंड के दक्षिण-पश्चिम में एक छोटे हवाई अड्डे के पास बृहस्पतिवार दोपहर (अमेरिकी समय) दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के कारण एक प्रमुख राजमार्ग बंद करना पड़ा। यामहिल काउंटी शेरिफ ऑफिस के अनुसार, मैकमिनविल एयरपोर्ट के कुछ किलोमीटर पूर्व में यह दुर्घटना हुई। अधिकारियों के पास हेलीकॉप्टरों में सवार लोगों की संख्या या उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ओरेगन डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन ने बताया कि दुर्घटना के कारण डेटन के 1.6 किलोमीटर पश्चिम में हाईवे 233 बंद कर दिया गया है।

अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे

ट्रम्प की पश्चिम एशिया के टॉप कमांडर से मुलाकात, ईरान पर फिर हमले की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। पिछले एक हफ्ते में उसके 10 से ज्यादा सैन्य मालवाहक विमान दक्षिणी इजराइल के एयरबेस पर उतरे हैं। इसी बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर से मुलाकात की। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कूपर ने ईरान पर संभावित सैन्य हमले के विकल्पों की जानकारी दी। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे।

अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर हमले की तैयारी

अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले करने की योजना बना



रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश छोटी लेकिन तेज सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि, ट्रम्प अभी सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला भी ले सकते हैं। सऊदी, कतर, कुवैत में भी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा अमेरिका विमान ट्रैकिंग डेटा पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका के ज्यादातर सैन्य मालवाहक विमान टेक्सास के बिग्स आर्मी एयरफील्ड से रवाना हुए थे। ये इजराइल के नेवातिम और ओवदा एयरबेस पहुंचे। इसके अलावा अमेरिका के कई सैन्य विमान सऊदी अरब, कतर, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी पहुंचे हैं। इन विमानों में क्या सामान लाया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित युद्ध से पहले पश्चिम एशिया में अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत कर रहा है। अमेरिका टेक्सास से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की एक बैटरी भी पश्चिम एशिया भेज रहा है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए किया जाता है। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरान ने इजराइल के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। साथ ही वह अगले हफ्ते होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में भी दखल देने की तैयारी कर रहा था। अखबार ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इसके लिए एजेंटों की भर्ती और अमेरिकी चुनाव सिस्टम को हैक करने वाले साइबर समूह बनाने की कोशिश की गई।

पश्चिम एशिया: होर्मुज में बढ़ रहा है समुद्री खतरा? टैंकर पर हमले के बाद अलर्ट, ब्रिटिश एजेंसी ने दी जानकारी

खासाब, ओमान , एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर एक छोटी नाव के जरिए हमला किया गया। नाव से टैंकर के ढांचे पर दो विस्फोटक उपकरण लगा दिए गए, जिससे इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह घटना गुरुवार को लगभग 2212 यूटीसी पर, ओमान के खासाब से लगभग 25 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में हुई। शुक्रवार को जारी एक अपडेट में, यूकेएमटीओ ने बताया कि चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। यूकेएमटीओ ने कहा, 'रिपोर्ट से पता चलता है कि एक छोटी नाव टैंकर के



बाईं ओर (पोर्ट साइड) आई और उसने पानी की सतह के ऊपर टैंकर के ढांचे पर दो विस्फोटक उपकरण लगा दिए।' इसमें आगे बताया गया कि इसके बाद हुए विस्फोटों से इंजन रूम में आग लग गई, जिससे जहाज कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया। समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने कहा, 'अब आग बुझ चुकी है और जहाज अपने अगले गंतव्य बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।' शुरुआत में यूकेएमटीओ को एक रिपोर्ट मिली थी कि बाहर जा रहे एक टैंकर में आग लग गई है।

उस समय घटना के कारण, चालक दल की स्थिति, नुकसान के आकलन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। ताजा अपडेट के बाद, यूकेएमटीओ ने इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी है। एजेंसी ने कहा, 'जब तक अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं, तब तक जहाजों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी से आगे बढ़ें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना यूकेएमटीओ को दें।' यह घटना ऐसे समय में हुई है जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले समुद्री यातायात को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। ईरानी सैन्य अधिकारियों ने इस जलमार्ग पर अपना नियंत्रण जताते हुए व्यावसायिक जहाजों को उन क्षेत्रों से न गुजरने की चेतावनी दी है, जिन्हें वे प्रतिबंधित और असुरक्षित मानते हैं। ईरान की नौसेना के जनसंपर्क विभाग ने सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के माध्यम से एक बयान जारी कर दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में एक प्रतिबंधित क्षेत्र से गुजर रहे एक टैंकर में, एक नौसैनिक खदान (नेवल माइन) से टकराने के बाद आग लग गई। बयान में कहा गया है।

अटलांटा पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिका ने समुद्री मार्गों, ऊर्जा और सप्लाई चेन पर दिया जोर

अटलांटा , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार को जी20 विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के लिए अटलांटा पहुंचे। अमेरिका के अनुसार, इस बैठक में एनर्जी, सप्लाई चेन और समुद्री रास्तों को खुला रखने पर फोकस रहेगा। ये ऐसे मुद्दे हैं, जो भारत के तेल, एलएनजी और उर्वरक आयात के लिए बेहद अहम हैं। वे इस बैठक के दौरान क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे। बैठक से पहले अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'जरूरी संकटों से निपटने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बिना किसी खतरे या टोल के व्यापार के लिए खुला रखने का साझा संकल्प है। यह एनर्जी संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन उतना ही उर्वरक और भोजन के लिए भी महत्वपूर्ण है। '

यह बैठक विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी में हो रही है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हो रहे व्यवधान के कारण भारत के लिए एनर्जी सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'एनर्जी दुनिया भर में आर्थिक विकास की बुनियाद है और इसकी पहुंच सस्ती और भरपूर होनी चाहिए। अधिकारी ने कहा, 'क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन एनर्जी सुरक्षा और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग के लिए बेहद जरूरी है और अन्य सप्लाई चेन भी आवश्यक हैं, खासकर उर्वरक,



एलएनजी, तेल और मैन्युफैक्चरिंग के लिए अन्य कच्चे माल के लिए।' अधिकारी ने कहा, 'अटलांटा में बातचीत एनर्जी और सप्लाई चेन चुनौतियों पर चर्चा करने और आर्थिक सुरक्षा पर भू-राजनीतिक तनाव के प्रभाव से निपटने के तरीकों की पहचान करने का अवसर प्रदान करेगी। ' नई दिल्ली में बुधवार को इस दौरे की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, 'विदेश मंत्री 30 से 31 अक्टूबर तक अटलांटा में होने वाली जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक के दौरान, वे क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेंगे और अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ' ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि वह इस साल की तीसरी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अमेरिका, भारत और जापान के समकक्षों से मिलेंगी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ईयू के नेतृत्व वाले 'नो फीस / नो टोल्स' संकल्प में शामिल हो गया है, जो गैरकानूनी फीस और टोल का विरोध करता है।

रूस ने अमेरिका प्रतिबंधों के खिलाफ क्यूबा का किया समर्थन

मॉस्को , एजेंसी। अमेरिका प्रतिबंधों के खिलाफ रूस ने क्यूबा का समर्थन किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह क्यूबा पर लगे अमेरिकी आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को हटाने की कोशिश में अपना समर्थन देना जारी रखेगा। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें इन प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 130 वोट पड़े, 17 वोट इसके खिलाफ थे, जबकि 25 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। मंत्रालय ने बताया कि रूस ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। साथ ही कहा कि वोट के नतीजों ने यह साबित किया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हवाना (क्यूबा) के खिलाफ लगाए गए इन अवैध और अमानवीय प्रतिबंधों की लगभग सर्वसम्मति से और दृढ़तापूर्वक निंदा की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि इस साल क्यूबा पर आर्थिक और सैन्य दबाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। इसके साथ ही एनर्जी ब्लॉकेड ने आम नागरिकों को अस्तित्व बचाने के संकट के कगार पर ला खड़ा किया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर क्यूबा में सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह ढह



जाती है, तो वहां से बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी देशों की ओर पलायन कर सकते हैं, जिससे क्षेत्र में एक बड़ा प्रवासन संकट पैदा हो सकता है। वहीं, रूस ने अपने देश की संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा कर रही क्यूबा की सरकार और वहां के लोगों के साहस की प्रशंसा की। रूस ने कहा कि भारी अमेरिकी दबाव के बावजूद, हवाना अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है। मंत्रालय ने कहा कि इस मुद्दे पर मॉस्को का सैद्धांतिक रुख पहले जैसा ही है। उसने क्यूबा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने का वादा किया, ताकि इस द्वीप देश पर लगे प्रतिबंधों को जल्द से जल्द, पूरी तरह से और बिना किसी शर्त के हटाया जा सके। इस बीच, भारत ने बुधवार को एक बार फिर उन कानूनों को खारिज कर दिया जो दूसरे देशों की संप्रभुता पर बुरा असर डालते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें क्यूबा पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय मिशन की काउंसलर सौम्या नायर ने कहा कि नई दिल्ली महासभा की उस अपील का समर्थन करती है, जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे 'ऐसे कानूनों और नियमों को खारिज करें, जिनका असर देश की सीमाओं के बाहर तक होता है क्यूबा के खिलाफ आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान से पहले बोलते हुए उन्होंने कहा, 'भारत, असेंबली की उस अपील को दोहराता है जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे ऐसे कानूनों और उपायों को लागू करने से बचें, और संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुरूप, ऐसे कानूनों और उपायों को रद्द करें और अमान्य घोषित करें।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराजगी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लह्वद्धद्धड्डद्गह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्बठ्ठद्धद्यड्डद्धद्बड्डह्लद्धश्ठ्ठ) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्स्2द्बद्वद्द श्वड्डद्बद्वड्ड' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।



जौनसार की बेटी डॉ. मोनिका राणा बनी तमिलनाडु के तेनकासी जिले की कलेक्टर

चकराता, देहरादून। जौनसार–बावर की प्रतिभाशाली बेटी डॉ. मोनिका राणा ने अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रशासनिक कार्यशैली के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मूल रूप से देहरादून जनपद के जौनसार–बावर क्षेत्र के नाडा गांव की निवासी डॉ. मोनिका राणा को तमिलनाडु के तेनकासी जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। उन्होंने 29 अक्टूबर 2026 को तेनकासी जिला कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनकी इस उपलब्धि से जौनसार–बावर सहित पूरे उत्तराखंड में खुशी और गर्व का माहौल है। डॉ. मोनिका राणा की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और गांव के लिए गौरव का विषय है, बल्कि उन युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जो कठिन परिस्थितियों में रहकर देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं में अपना



भविष्य बनाने का सपना देखते हैं।

एमबीबीएस के बाद चुनी प्रशासनिक सेवा की राह

डॉ. मोनिका राणा वर्ष 2018 बैच की तमिलनाडु कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने मद्रास मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। चिकित्सा क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने प्रशासनिक सेवा का मार्ग चुना और जनसेवा को अपने करियर का प्रमुख उद्देश्य बनाया। डॉक्टर से आईएएस अधिकारी बनने तक का उनका सफर उनकी मेहनत, दृढ़ संकल्प और जनकल्याण के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

प्रशासनिक सेवा में आने के बाद उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए अपनी कार्यक्षमता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया।

सलेम से शुरू हुआ प्रशासनिक सफर

डॉ. मोनिका राणा ने अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत तमिलनाडु के सलेम में असिस्टेंट कलेक्टर (ट्रेनिंग) के रूप में की। इसके बाद उन्होंने उदगमंडलम (उटी) में सब–कलेक्टर के पद पर कार्य किया।

वर्ष 2020 में कोविड–19 महामारी के दौरान नीलगिरि जिले में उनकी सेवाओं की सराहना की गई। उन्होंने विशेष क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत उटी में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई।

इसके अतिरिक्त, वे कुन्नूर में कठऊ उडरएफश्ए की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उएड) के पद पर भी कार्य कर चुकी हैं। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने प्रशासनिक प्रबंधन, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तिरुनेलवेली नगर निगम की पहली महिला आयुक्त बनीं

जून 2025 में डॉ. मोनिका राणा को तिरुनेलवेली नगर निगम की आयुक्त नियुक्त किया गया। इस पद पर पहुंचकर उन्होंने नगर निगम की पहली महिला आयुक्त के रूप में एक नया इतिहास रचा।

तिरुनेलवेली में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शहरी विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए।

उत्तराखंड पुलिस को मिली नई पहचान



देहरादून। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित सभागार में उत्तराखंड पुलिस के नवीन गौरव चिह्नों का अनावरण किया। पुलिस के नए ध्वज, प्रतीक चिह्न, फॉरमेशन साइन, इंसिग्निया, क्रेस्ट और सेरेमोनियल वर्दी को नया स्वरूप प्रदान किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ह्यसत्यनिष्ठा से समृद्धि थीम पर आधारित सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2026 का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पुलिस की नई पहचान केवल प्रतीकों और वर्दी में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पुलिस बल की गौरवशाली परंपराओं, शौर्य, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को और अधिक मजबूत करने का प्रतीक है। नए गौरव चिह्न पुलिसकर्मियों को सम्मान के साथ–साथ उनकी जिम्मेदारियों का भी एहसास कराएंगे।उन्होंने कहा कि पुलिस की वास्तविक पहचान उसके आचरण, संवेदनशीलता, कार्यकुशलता और निष्पक्ष कार्रवाई से बनती है। उत्तराखंड पुलिस का नया ध्येय वाक्य ह्यकर्म सत्यं शौर्यम्ह्ल कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा और साहस का संदेश देता है। प्रत्येक पुलिस अधिकारी और जवान को इन आदर्शों को अपने व्यवहार और कार्यशैली में अपनाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार की प्राथमिकता उत्तराखंड पुलिस को आधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ ही अधिक प्रशिक्षित, सक्षम और प्रभावी बनाना है।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में हिंसक झड़प



हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में कर्मचारियों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच कई दिनों से चल रहा विवाद शनिवार को हिंसक झड़प में बदल गया। कुलपति कार्यालय के बाहर कुलसचिव सत्यदेव निगमालंकार के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने उन्हें जमीन पर गिराकर जमकर पीटा। घटना के बाद विश्वविद्यालय परिसर में अफरा–तफरी मच गई और प्रशासन तथा कर्मचारी पक्ष के बीच तनाव बढ़ गया।

घटना के बाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा स्वयं घायल कुलसचिव को लेकर कनखल कोतवाली पहुंचीं। पुलिस की मौजूदगी में कुलसचिव का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। वहीं, कर्मचारी यूनियन से जुड़े लोग भी मेडिकल परीक्षण के लिए कोतवाली पहुंचे। दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी के चलते मामला और संवेदनशील हो गया है।

कई दिनों से जारी था कर्मचारियों का आंदोलन

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन चल रहा था। इस दौरान कर्मचारी और विश्वविद्यालय प्रशासन आमने–सामने थे। मांगों को लेकर दोनों पक्षों के बीच लगातार खींचतान बढ़ रही थी, जिससे विश्वविद्यालय परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात कर्मचारियों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया था। हालांकि, आंदोलन खत्म होने के अगले ही दिन शनिवार को कुलसचिव के साथ मारपीट की घटना सामने आ गई।

बंदरों ने दो महिलाओं को काटा

कर्णप्रयाग। नगर में बंदरों के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शनिवार को घरों में काम कर रहीं दो महिलाओं को बंदरों ने काट दिया। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। शनिवार को लोअर सांकरी निवासी सोनी पुरोहित और साक्षी सेमवाल अपने–अपने घरों में काम कर रही थीं। इस दौरान बंदर ने अचानक हमला कर दिया काट दिया। सुभाष रतूड़ी, दिनेश खंडूड़ी, हेमंत सेमवाल, चंडी प्रसाद खंडूड़ी आदि ने कहा कि आईटीआई वाले झूला पुल से लोकर लोअर सांकरी, सुभाषनगर में बंदरों का उत्पात थम नहीं रहा। इससे पहले भी बंदर यहां कई बार स्कूली बच्चों और महिलाओं को काट चुके हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार दोनों महिलाओं का उपचार कर घर भेज दिया गया है।

यमुना के सीने पर रास्ता, वसूली का खेल किसकी शह पर?

विकासनगर। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर भीमावाला स्थित नौघाट पुल के समीप यमुना नदी के भीतर बनाया गया अस्थायी रास्ता इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। दोनों राज्यों को जोड़ने वाला नवनिर्मित पुल अभी पूरी तरह तैयार नहीं हुआ है, लेकिन इसके समीप यमुना नदी के बीचोंबीच अस्थायी मार्ग बनाकर दोपहिया वाहनों की आवाजाही कराई जा रही है। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों से प्रति चक्कर के हिसाब से रुपये वसूलने के आरोप भी सामने आए हैं।

मामला केवल नदी के भीतर रास्ता बनाने तक सीमित नहीं है। यदि आरोप सही साबित होते हैं तो यह सरकारी भूमि, नदी क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण, खनिज सामग्री के उपयोग, संभावित पर्यावरणीय नुकसान और कथित शुल्क वसूली से जुड़ा गंभीर मामला हो सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यमुना नदी के भीतर रास्ता बनाने की अनुमति किसने दी और वहां से गुजरने वाले लोगों से रुपये वसूलने का अधिकार किसके पास है?

नदी के भीतर रास्ता बनाने का अधिकार



किसने दिया? यमुना नदी के भीतर अस्थायी मार्ग तैयार करने के लिए भारी मात्रा में पत्थर, बजरी और अन्य उपखनिज सामग्री की आवश्यकता होती है। ऐसे में भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण हो जाती है।

विभाग को यह स्पष्ट करना होगा कि रास्ते के निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री कहां से लाई गई? क्या सामग्री नदी तल से निकाली गई या किसी वैध खनन पट्टे अथवा अधिकृत स्रोत से लाई गई? यदि नदी तल से उपखनिज निकाला गया है तो क्या नियमानुसार अनुमति ली गई थी? क्या संबंधित सामग्री की रॉयल्टी जमा कराई गई है?

यदि निर्माण में अवैध रूप से निकाली गई खनिज सामग्री का इस्तेमाल हुआ है तो यह जांच का विषय है। विभागीय अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

प्रति चक्कर रुपये वसूली के आरोप, किसके खाते में जा रही रकम?

इस पूरे मामले का सबसे संवेदनशील पहलू वाहन चालकों से कथित रूप से रुपये वसूलने का है। आरोप है कि अस्थायी रास्ते से गुजरने वाले दोपहिया वाहनों से प्रति चक्कर के हिसाब से पैसे लिए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेडक्रॉस सोसाइटी से जुड़े लोगों ने स्वच्छता अभियान चलाया

नई टिहरी। भारतीय रेडक्रॉस समिति के चेयरमैन ओंकार बहुगुणा और मैनेजिंग कमेटी भारतीय रेडक्रॉस समिति उत्तराखंड के निदेशक रेडक्रॉस से जुड़े लोगों ने विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया। अभियान निरंतर एक सप्ताह तक चलेगा। शनिवार को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और रेडक्रॉस सोसाइटी नई टिहरी के गोदाम के साथ आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। रेडक्रॉस सोसाइटी टिहरी के चेयरमैन अब्दुल अतीक ने बताया कि आगामी छह नवंबर तक रेडक्रॉस से जुड़े लोग स्वच्छता अभियान चलाएंगे जिसमें नई टिहरी, चंबा सहित आसपास के क्षेत्रों को शामिल किया गया है। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर सचिव महावीर दत्त कवि, दुर्गादत्त रतूड़ी, सूरत सिंह राणा आदि मौजूद थे।

जौनपुर के कई इंटर कॉलेज प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे

थत्यूड़ (टिहरी)। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज थत्यूड समेत क्षेत्र के कई अन्य इंटर कॉलेज प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं जिससे विद्यालयों की व्यवस्था और छात्र–छात्राओं का पठन–पाठन प्रभावित हो रहा है। बोर्ड परीक्षा के परिणाम पर भी प्रभाव पड़ रहा है।

जौनपुर ब्लॉक के जीजीआईसी थत्यूड, जीआईसी थत्यूड़ में गत तीन वर्षों से स्थाई प्रधानाचार्यों के पद रिक्त पड़े हैं। जौनपुर ब्लॉक के पूर्व प्रमुख महिपाल सिंह रावत, अभिभावक संघ के अध्यक्ष बलवीर सिंह रावत, हरिओम रावत, ओम प्रकाश गौड़, हरिभजन पंवार का कहना कि क्षेत्र के विद्यालय विगत वर्षों से स्थाई प्रधानाचार्य विहीन है। स्थायी प्रधानाचार्यों की मांग को लेकर अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पत्राचार किया गया। बावजूद विद्यालयों में प्रधानाचार्यों की तैनाती नहीं हो पा रही है। ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था कैसे पटरी पा लौट पाएगी।

राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य पूरा करें सभी अधिकारी

नई टिहरी। जिला स्तरीय राजस्व संवर्द्धन समिति की बैठक लेते हुए एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने वित्तीय वर्ष 2026–27 में सितंबर तक की राजस्व प्राप्ति की विभागवार समीक्षा की। कम वसूली वाले विभागों से वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में बताया गया कि भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने वर्ष 2026–27 में सितंबर माह तक 34.62 करोड़ राजस्व की प्राप्ति कर पिछले वर्ष की तुलना में 211.48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। खान अधिकारी रवि नेगी ने बताया कि विभागीय वार्षिक वित्तीय वर्ष का लक्ष्य 70 करोड़ रुपये है।

परिवहन विभाग ने पिछले वर्ष सितंबर माह तक 617.75 लाख के सापेक्ष इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 636.10 लाख प्राप्त किए हैं।ऊर्जा निगम ने पिछले वर्ष सितंबर माह तक 7906.42 लाख के सापेक्ष 2026–27 में सितंबर तक 8545.79 लाख का राजस्व प्राप्त किया है। उप निबंधक ने पिछले वर्ष सितंबर माह तक कुल 20.53 करोड़ के सापेक्ष इस वर्ष सितंबर तक 29.70 करोड़ की आय प्राप्त किया है। विभाग का वार्षिक लक्ष्य 55 करोड़ है।

नुक्कड़ के माध्यम से छात्राओं ने भ्रष्टाचार उन्मूलन का संदेश दिया

नरेंद्रनगर (टिहरी)। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में सत्यनिष्ठा से समृद्धि थीम पर सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम हुआ। छात्राओं ने खाड़ी बाजार में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भ्रष्टाचार उन्मूलन व सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। छात्राओं ने नाटक की प्रस्तुति के दौरान रिश्वत देना, लेना, निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करके परीक्षा उत्तीर्ण करना आदि विषयों पर विचार रखे। प्राचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने यह संदेश देने का प्रयास गया है।

गडोग–सकरोल–खड़ीन–चुनौ मार्ग के निर्माण में अनियमितताओं का आरोप

देहरादून। गडोग–सकरोल–खड़ीन–चुनौ मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत चल रहे डामरीकरण कार्य की गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चिंता जताई है। सड़क निर्माण में कथित अनियमितताओं और निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किए जाने की आशंका को लेकर ग्रामीणों ने विधायक से मुलाकात कर शिकायत पत्र सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी धनराशि से निर्मित हो रही सड़क का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इसी को लेकर ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में प्रयुक्त तारकोल की मात्रा, मिट्टी की गुणवत्ता तथा सड़क की परत की मोटाई की तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

विधायक ने लिया शिकायत का संज्ञान

ग्रामीणों द्वारा शिकायत पत्र सौंपे जाने के बाद विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए



तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर वार्ता की। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य की जांच करने तथा अनियमितताएं पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके और क्षेत्रवासियों को लंबे समय तक टिकाऊएवं गुणवत्तापूर्ण सड़क की सुविधा मिल सके।

गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में सरकारी धन का सदुपयोग होना चाहिए। सड़क की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। ऐसे में संबंधित विभाग को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने के साथ ही तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना चाहिए।

पुलिस कर्मियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करें : आईजी

चंबा (टिहरी)। पुलिस महानिरीक्षक (गढ़वाल) राजीव स्वरूप ने चंबा पुलिस लाइन में जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए पुलिसकर्मियों के कल्याण और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्मिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

पुलिस लाइन में शनिवार को आयोजित सम्मेलन में आईजी ने आकस्मिक एवं उपार्जित अवकाश के आवेदनों पर नियमानुसार समय से निर्णय लेने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवकाश स्वीकृति में अनावश्यक देरी से पुलिसकर्मियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों की सेवा संबंधी पत्रावलियां और आवश्यक अभिलेख समय रहते तैयार करने के निर्देश भी दिए जिससे सेवानिवृत्ति के बाद देयकों और अन्य औपचारिकताओं के लिए कर्मचारियों को भटकना न पड़े।

पुलिसकर्मियों के लंबित चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने और भुगतान में विभागीय या प्रशासनिक अड़चन आने पर आईजी कार्यालय से पत्राचार कर समाधान कराने को कहा। अकाउंटेंट को लंबित यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता (टीए–डीए) बिलों का प्राथमिकता से भुगतान करने के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने जिले की पुलिस व्यवस्था, कार्मिकों की समस्याओं, विभागीय आवश्यकताओं और लंबित प्रकरणों से आईजी को अवगत कराया।

समान कार्य–समान वेतन न दिए जाने पर कर्मियों ने दिया धरना

नई टिहरी। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी में उपनल और संविदा पर कार्यरत कर्मियों ने तीन माह का लंबित वेतन व समान कार्य के लिए समान वेतन न देने पर आक्रोश जताते हुए महाविद्यालय के परिसर में धरना दिया। कर्मियों ने जल्द मांग पूरी न होने पर बेमियादी आंदोलन की चेतावनी दी।

वानिकी महाविद्यालय के उपनल व संविदा कर्मचारी संघ से जुड़े कर्मियों ने कहा कि शासनादेश जारी होने के बाद भी उन्हें समान कार्य–समान वेतन से वंचित रखा गया है। कर्मी मनवीर सिंह तड़ियाल, राकेश बहुगुणा, मूर्तिराम उनियाल आदि का कहा कि तीन माह से वेतन न मिलने से कर्मियों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कहा कि वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी से विवि एवं महाविद्यालय के कार्यों का निर्वहन करते हैं, लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलने से उनका मनोबल प्रभावित होता है। कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों, शासनादेशों के बाद भी कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ भी दिया जाए।

धरना देने वालों में महेश घिल्डियाल, विनोद कोठारी, विकास कोठारी, विजय बिष्ट, वीरेंद्र नेगी, गिरवीर नेगी, प्रशांत भंडारी, राम लाल भट्ट, चंद्रवीर बिष्ट, कर्मानंद ममगाईं, नीलम नेगी, संगीता बिजल्वाण शामिल थे।

सहसपुर में नशा तस्करों पर दून पुलिस का शिकंजा

देहरादून, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ड्रग्स फ्री देवभूमि विजन को साकार करने के लिए दून पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर कोतवाली सहसपुर पुलिस ने स्मैक तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 10.06 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है।

पुलिस मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार चेकिंग और मैनुअल पुलिसिंग की जा रही है। इसी अभियान के तहत 30 अक्टूबर 2026 को पुलिस ने दो अलग–अलग स्थानों पर कार्रवाई की।

पहली कार्रवाई में सभावाला क्षेत्र के शेखोंवाला के पास से फारुख नामक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 6.10 ग्राम स्मैक बरामद हुई। वहीं, दूसरी कार्रवाई धर्मावाला क्षेत्र के तिमली में की गई, जहां पुलिस ने मौ. शाहरुख को गिरफ्तार



किया। उसके पास से 3.96 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निम्न प्रकार से हुई है:

फारुख पुत्र रिजवान, निवासी बड़ा रामपुर, थाना सहसपुर, जनपद देहरादून, उम्र 57 वर्ष। मौ. शाहरुख पुत्र मौ. मुमताज, निवासी ग्राम रेडापुर छरबा, थाना सहसपुर, जनपद देहरादून, उम्र 27 वर्ष।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

दोनों आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली सहसपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत अलग–अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। फारुख के विरुद्ध मुकदमा संख्या 280/2026 तथा मौ. शाहरुख के विरुद्ध मुकदमा संख्या 281/2026 पंजीकृत किया गया है।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार सैनी, चौकी प्रभारी सभावाला; उपनिरीक्षक पंकज कुमार, चौकी प्रभारी धर्मावाला; अपर उपनिरीक्षक प्रेम प्रसाद कोठारी; हेड कांस्टेबल केहर गिरी; कांस्टेबल अजीत सिंह, कुलदीप सिंह और रविन्द्र राणा शामिल रहे।

आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

देहरादून। प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान और प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्बहाली कार्यों की प्रगति को लेकर राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रुहेला एवं उपाध्यक्ष ले. कर्नल रघुवीर सिंह भंडारी ने सभी जनपदों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की मरम्मत, पुनर्निर्माण तथा राहत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन शीघ्र सामान्य बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों से विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे राहत एवं पुनर्बहाली कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। दोनों उपाध्यक्षों ने स्पष्ट किया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करें।

बंद सड़कों को शीघ्र खोलने के निर्देश

बैठक के दौरान आपदा के कारण अवरुद्ध सड़कों की जनपदवार समीक्षा की गई। विनय रुहेला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बंद सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र आवागमन के लिए खोला जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त



सड़कों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए।

उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क बहाल करना प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, राहत सामग्री की आपूर्ति और आमजन की आवाजाही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सड़क संपर्क बहाली के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

पेयजल आपूर्ति बहाल करने पर जोर

आपदा से क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति शीघ्र सुचारू करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि जिन पेयजल योजनाओं की मरम्मत आवश्यक है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

बाढ़ सुरक्षा कार्य समयबद्ध ढंग से होंगे पूरे

बाढ़ सुरक्षा से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षात्मक एवं पुनर्निर्माण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। जिन कार्यों के लिए शासन स्तर से स्वीकृति आवश्यक है, उनके प्रस्ताव सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए शीघ्र शासन को भेजने को कहा गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79



पैन पैसिफिक ओपन के फाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडेज

टोक्यो। पैन पैसिफिक ओपन 2026 में कनाडा की स्टार टेनिस खिलाड़ी लेयला फर्नांडेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में डायना श्नाइडर ने मिया पोहांकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।कनाडा की लेयला फर्नांडेज ने सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को 7-5, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला एक घंटे 54 मिनट तक चला। फर्नांडेज को दोनों सेटों में शुरुआती समय में ब्रेक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। लेयला फर्नांडेज के लिए यह साल का तीसरा ड्ब्ल्यू फाइनल होगा। एशियाई दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने सितंबर में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था, जहां उन्होंने तालिया गिब्सन को हराया था। हालांकि, पिछले सप्ताह निंगबो ओपन के फाइनल में उन्हें एलेना रिबाकिना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

डायना श्नाइडर ने भी फाइनल में बनाई जगह

दूसरे सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली 18 वर्षीय मिया पोहांकोवा को 6-4, 7-6 (7) से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 46 मिनट तक चला। श्नाइडर ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक के बाद वापसी की और 6-4 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में उन्हें टाईब्रेक के दौरान सेट प्वाइंट भी बचाना पड़ा।दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पोहांकोवा ने सेट जीतने का मौका बनाया, लेकिन श्नाइडर ने शानदार खेल दिखाते हुए सेट प्वाइंट बचा लिया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक 9-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ श्नाइडर ने सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला

जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 28 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा।

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को हरा दिया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को 50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।'

युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी



तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेसः भारत ने लगाई हार की हैट्रिक! अब इंग्लैंड ने हराया

मोंग कोक। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब इंग्लैंड ने भी भारत को हरा दिया है। शनिवार को खेले गए बाउल सेमीफाइनल-2 में इंग्लैंड ने भारत को तीन रन से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी हार झेली। अब भारत को टूर्नामेंट



में 11वें और 12वें स्थान के लिए मुकाबला खेलना होगा।भारत को यूएई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टिन क्वॉग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने छह ओवर में छह विकेट पर 94 रन बनाए। भारत की ओर से टी. नटराजन ने 14 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 24 और कप्तान क्रुणाल पंड्या ने 15 रन का योगदान दिया। हालांकि, बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में यूएई ने 95 रन का लक्ष्य महज 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। कप्तान खालिद शाह ने 14 गेंदों में नाबाद 52 और अंश टंडन ने 12 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए।

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे...नहीं चला भुवनेश्वर का जादू!

चार साल बाद की थी वापसी, आकाश चोपड़ा ने जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी भुवनेश्वर की वापसी को लेकर निराशा जाहिर की है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही, जैसी भारतीय प्रशंसकों और टीम मैनेजमेंट को उनसे उम्मीद थी। यही वजह रही कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह मयंक यादव को मौका दिया गया।

चोपड़ा ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों में भुवनेश्वर ने काफी रन खर्च किए, जिसके बाद उनकी वापसी पर सवाल उठने लगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'इंजरी की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को वनडे टीम में नहीं चुना गया। भुवी को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उन्होंने शुरुआती तीन टी20 मैचों में इतने रन दिए हैं कि उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं। चौथे टी20 में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने ने उनकी वापसी पर उठ रहे सवाल को और गहरा दिया है। भुवी की वापसी वैसी नहीं रही है जैसी इंडियन फैंस उम्मीद कर रहे थे।'

चौथे टी20 में भी भारतीय गेंदबाजों ने लुटाए 259 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय गेंदबाजी एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। भुवनेश्वर कुमार की गैरमौजूदगी में उतरी भारतीय टीम ने 259 रन खर्च कर दिए। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाज 172 रन ही बना सके और टीम को 87 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भुवनेश्वर की जगह मयंक यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी की कमजोरियां इस मैच में भी उजागर हुईं।

पांचवें टी20 में भुवनेश्वर की वापसी पर नजर

अब सभी की निगाहें सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले पर टिकी हैं। यदि भुवनेश्वर कुमार को इस मैच में भी मौका नहीं मिलता है, तो उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर को लेकर चर्चाएं और तेज हो सकती हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुकी है। टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने की होगी, जबकि न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज का अंत 3-2 से करना चाहेगा।



जापान को 4-1 से हराया, अभिषेक-हरमनप्रीत और विष्णुकांत ने दागे गोल



भारतीय हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

जालंधर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच बार की चैंपियन भारत ने खेले गए मुकाबले में जापान को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत के हीरो अभिषेक नैन रहे, जिन्होंने दो शानदार मैदानी गोल दागे। भारत की ओर से अभिषेक नैन ने 11वें और 51वें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा, जबकि विष्णुकांत सिंह ने 56वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। जापान की ओर से एकमात्र गोल शोता यामादा ने 15वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

आखिरी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने बदला मैच का रुख

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकुमी कितागावा ने शानदार बचाव किया। 36वें मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। तीन क्वार्टर तक स्कोर 1-1 रहने के बाद भारतीय टीम ने आखिरी 15 मिनट में आक्रामक खेल दिखाया। 46वें मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार लो फ्लिक के जरिए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 51वें मिनट में अभिषेक ने बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले यानी 56वें मिनट में विष्णुकांत सिंह ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के सटीक एरियल पास को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया।

अब मलयेशिया से होगा भारत का अगला मुकाबला

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले बांग्लादेश को 13-0 और चीन को 5-2 से हराया था। वहीं, जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-2 और बांग्लादेश को 1-0 से मात दी थी। भारत का अगला मुकाबला रविवार को मलयेशिया से होगा। हाल ही में आयोजित आइची-नागोया एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम ने मलयेशिया को 5-1 से हराया था। वहीं, जापान की टीम अगले मुकाबले में चीन से भिड़ेगी।

पहले हाफ में जापान ने दी कड़ी चुनौती

मुकाबले की शुरुआत में जापान ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, जापानी खिलाड़ी केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से चूक गया। शुरुआती मिनटों में भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने खेल को संभालने की कोशिश की। इसी बीच 11वें मिनट में भारत ने शानदार मूव बनाते हुए बढ़त हासिल कर ली। हार्दिक सिंह ने सर्कल के अंदर सुखजीत सिंह को गेंद दी, जिन्होंने अभिषेक को पास दिया। अभिषेक ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। यह अभिषेक का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था।

हालांकि, जापान ने हार नहीं मानी। पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। दूसरे प्रयास के दौरान गेंद भारतीय खिलाड़ी संजय के शरीर से टकराई, जिसके बाद जापान को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। 15वें मिनट में शोता यामादा ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जापान ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

भारत vs न्यूजीलैंड...

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, नबी की हुई एंट्री

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। चयन समिति ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहले तीन वनडे मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इससे पहले उन्हें सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था। अब वह सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

आकिब की पहले तीन वनडे में भी हुई एंट्री

आकिब को प्रसिद्ध कृष्णा की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध फिलहाल चोट की वजह से रिहैब में हैं और उनका टीम में शामिल होना फिटनेस टेस्ट पर आधारित था, लेकिन वह समय से फिट नहीं हो पाए हैं और ऐसे में आकिब को शामिल करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम अपडेट जारी करते हुए बताया कि पुरुष चयन समिति ने आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भी टीम में शामिल किया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। अब उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में जगह मिल गई है। इस बदलाव के बाद वह पूरी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है।



पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम

पहले तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल कप्तान होंगे और श्रेयस अय्यर उपकप्तान रहेंगे। टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। ईशान किशन को विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है।

पहले तीन वनडे के लिए टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे), आकिब नबी।



दो वनडे के लिए अलग टीम

सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए भी भारतीय टीम में बदलाव है। इन मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तानी करेंगे, जबकि ईशान किशन उपकप्तान होंगे। तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और यश ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर, उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।